RNI No. : TNHIN/2013/52520 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 352 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 20-07-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

4 सनातन संस्कृति इतिहास से भावी पीढ़ी को मिलेगी प्रेरणा : दिलावर

6 पाकिस्तान से टूटने को तैयार दिखता है ब्लूचिस्तान

7 मैंने हमेशा मजबूत महिला किरदारों का समर्थन किया : अनिल कपूर

फर्स्ट टेक

ईरान ने मिसाइल और ड्रोन हमला किया : कुवैत

दुबई/एपी। कुवैत ने रविवार को कहा कि ईरान ने उस पर मिसाइल और ड्रोन से हमले किए हैं। कुवैत की सेना ने एक बयान में कहा कि ईरान के निंदनीय हमले'' के बाद देश की हवाई रक्षा प्रणालियों को सक्रिय कर दिया गया है। यह हमला ऐसे समय हुआ है जब एक सप्ताह से अधिक समय से ईरान और अमेरिका एक-दूसरे के सैन्य ठिकानों पर हमले कर रहे हैं। अमेरिका और ईरान के मध्य अस्थायी युद्धविराम समझौता विफल रहने के बीच ईरान ने खाड़ी क्षेत्र के अरब देशों को निशाना बनाया है, जबकि अमेरिका ने ईरान में अपना बमबारी अभियान तेज कर दिया है।अमेरिका ने रविवार को ईरान के अर्धसैनिक बल रिवोल्यूशनरी गार्ड को निशाना बनाते हुए हवाई हमले किए।

गुयाना के तट पर 116 यात्रियों को ले जा रही नौका पलटी, 67लोगों को बचाया गया

मैड्रिड/एपी। गुयाना में 116 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को लेकर जा रही एक नाव पलट गई, लेकिन अब तक 67 लोगों को बचा लिया गया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। गुयाना के प्रधानमंत्री मार्क फिलिप्स ने बताया कि 'एमवी बारिमा' राजधानी जॉर्जटाउन से उत्तरी अटलांटिक तट के रास्ते पोर्ट कैतूमा जा रही थी। फिलिप्स ने बताया कि बचाये गये 67 लोगों में 15 बच्चे शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि नौका पोमेरून नदी के निकट पलट गई।

सीबीआई ने 1,109 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामले में चार राज्यों में छह ठिकानों पर छापेमारी की

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने भुवनेश्वर स्थित एक बिजली अवसंरचना कंपनी से जुड़े 1,109 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामले में ओडिशा और पश्चिम बंगाल समेत चार राज्यों में छह ठिकानों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। सीबीआई ने शनिवार को की गई इस कार्रवाई के तहत गुप्ता पावर इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के आरोपी निदेशकों के भुवनेश्वर स्थित आवासों, कोलकाता में कंपनी के पंजीकृत कार्यालय तथा उत्तराखंड के काशीपुर, तमिलनाडु के तिरुवल्लूर और भुवनेश्वर स्थित विनिर्माण इकाइयों की तलाशी ली। एजेंसी के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, यह मामला आरोपी कंपनी द्वारा केनरा बैंक से प्राप्त विभिन्न कोष आधारित और गैर कोष आधारित वित्तीय सुविधाओं के संबंध में कथित रूप से 1,109 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने से जुड़ा है। सीबीआई के अनुसार, आरोपियों ने स्टॉक का मूल्य कृत्रिम रूप से बढ़ाकर दिखाया, व्यापारिक देय राशि को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया।

20-07-2026 सूर्यास्त 6:39 बजे | 21-07-2026 सूर्योदय 5:53 बजे

BSE	NSE
78,151.45	24,334.30
(+964.58)	(+261.55)

सोना	चांदी
15,108 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	227,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

भौंचक्के हम

शेयर के भाव गिरे जाते,
बढ़ रहे दाम नित सोने के।
निफ्टी सेंसेक्स धँसे जाते,
दिन बाजारों के रोने के।
दल बदलू नेताओं के हैं,
सपने अपने हित ढोने के।
दिख रहे तमाशे सभी ओर,
अपने मूल्यों को खोने के।0।

अमित शाह ने कोलकाता में 'शब्द संग्रहालय' का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को यहां राष्ट्रीय पुस्तकालय परिसर में 'शब्द संग्रहालय' का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि किसी देश की भाषा उसकी विरासत को संजोए रखती है और उसकी संस्कृति को जानने-समझने का माध्यम बनती है। यह जीवंत अनुभव प्रदान करने वाला भारत का पहला भाषा संग्रहालय है। 'शब्दलोक' नाम से विकसित संग्रहालय भारत की भाषाई विविधता, विभिन्न लिपियों और समृद्ध साहित्यिक विरासत की विकास यात्रा को दर्शाता है। केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय पुस्तकालय द्वारा विकसित यह संग्रहालय भारत की समृद्ध भाषाई विरासत को समर्पित है। इसमें अत्याधुनिक तकनीक और संवादात्मक प्रस्तुतियों के जरिए देश की मौखिक और लिखित भाषाई परंपराओं के विकास की यात्रा को दर्शाया गया है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि अपनी मातृभाषा सीखने के साथ-साथ प्रत्येक छात्र को देश की सांस्कृतिक विविधता को बेहतर ढंग से समझने के लिए कम से कम एक अन्य भारतीय भाषा भी सीखनी चाहिए। उन्होंने कहा, ''हमारी भाषा हमारी विरासत को आगे बढ़ाती है और भाषाओं के माध्यम से किसी देश की संस्कृति को समझा जा सकता है।'' गृह मंत्री ने राष्ट्र निर्माण में पुस्तकालयों के महत्व पर भी जोर देते हुए कहा कि देश का भविष्य केवल कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले छात्रों की संख्या पर निर्भर नहीं करता, बल्कि इस बात पर भी निर्भर करता है कि कितने लोग पुस्तकालयों का उपयोग करते हैं। बंगाल की बौद्धिक विरासत का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि इस राज्य ने देश को कई महान साहित्यकार, वैज्ञानिक, क्रांतिकारी और विद्वान दिए हैं।

पुंछ और राजौरी में भारी बारिश व भूस्खलन के कारण 11 लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती जिलों पुंछ और राजौरी में रविवार को मूसलाधार बारिश के कारण हुए भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि सात अन्य लापता हैं। इसके बाद विभिन्न एजेंसियों ने संयुक्त रूप से व्यापक बचाव एवं राहत अभियान शुरू किया है। अधिकारियों के अनुसार, सबसे अधिक तबाही पुंछ जिले की सुरनकोट तहसील में हुई, जहां अधिकांश मौतें दर्ज की गईं। लगातार बारिश और क्षतिग्रस्त सड़कों के कारण राहत एवं बचाव कार्य प्रभावित हुआ है, हालांकि बचाव दल लापता लोगों की तलाश में जुटे हैं।

पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन के सिलसिले में दिल्ली गए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने संभाग के कुछ हिस्सों में बिगड़ते हालात को देखते हुए अपना दौरा बीच में ही समाप्त कर दोपहर में जम्मू लौटने का निर्णय लिया। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने भी बारिश और बाढ़ प्रभावित जिलों की स्थिति की समीक्षा की तथा अधिकारियों को प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत और हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि सुरनकोट के लोअर मुराह गांव में मूसलाधार बारिश के कारण रविवार तड़के हुए भूस्खलन की चपेट में एक मकान आ गया, जिससे उसमें रह रहे आठ लोग मलबे में दब गए। बचाव दल ने सोफियान यासिर (दो) समेत पांच लोगों के शव बरामद कर लिए हैं, जबकि शेष की तलाश जारी है।

उन्होंने बताया कि संगला गांव में अचानक आई बाढ़ में एक ही परिवार के चार सदस्य बह गए। लापता लोगों में अब्दुल हमीद, उनकी पत्नी शरीफा बेगम, बेटी अरीबा और बहन मनीरा बेगम शामिल हैं।

अधिकारियों के अनुसार, नूनाबंदी गांव में एक मकान ढहने से नाजिया कौसर (28) की मौत हो गई। उनके पति मोहम्मद हाफिज और दो से छह वर्ष की आयु के तीन बच्चों को मलबे से निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया गया। सुरनकोट के संगलानी क्षेत्र में मकान ढहने से शाहजेब अहमद (22) की मौत हो गई, जबकि मरहोट क्षेत्र में इरम नामक एक नाबालिग लड़की नाले में डूब गई। इसके अलावा, धुंधक लाथूंग पुल के निकट एक नाले से एक अज्ञात महिला का शव भी बरामद किया गया।

सरकार वंदे मातरम् के अपमान को दंडनीय बनाने के लिए राज्यसभा में विधेयक लाएगी

नई दिल्ली/भाषा। सरकार संसद के मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को राज्यसभा में वह विधेयक लाने वाली है, जिसके तहत राष्ट्र गीत वंदे मातरम0 के गायन के दौरान किसी भी तरह का व्यवधान डालना या उसका अपमान करना आपराधिक कृत्य माना जायेगा। राष्ट्र गौरव अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक, 2026 को सोमवार के लिए राज्यसभा की कार्यसूची में शामिल किया गया है और गृह मंत्री अमित शाह इसे उच्च सदन में पेश करेंगे।

यह विधेयक राष्ट्र गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971 में संशोधन के लिए लाया जा रहा है। इस कानून के तहत देश के राष्ट्रीय प्रतीकों जैसे राष्ट्रीय ध्वज, संविधान और राष्ट्र गान का अपमान या अनादर करना एक आपराधिक कृत्य है, जिसके लिए तीन साल तक की जेल की सजा का प्रावधान है। इस विधेयक का उद्देश्य राष्ट्र गीत वंदे मातरम0 को राष्ट्र गान 'जन गण मन' के समान वैधानिक संरक्षण प्रदान करना है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने जंजीबार के राष्ट्रपति म्विनी से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने जंजीबार के राष्ट्रपति हुसैन अली म्विनी से रविवार को मुलाकात कर उच्च शिक्षा, क्षमता निर्माण, जलापूर्ति, स्वास्थ्य तथा डिजिटल क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। जंजीबार, तंजानिया का अर्ध-स्वायत्त प्रांत है। म्विनी 2020 से जंजीबार के राष्ट्रपति हैं। शिक्षा समेत विभिन्न क्षेत्रों में भारत के जंजीबार के साथ घनिष्ठ संबंध हैं। अक्टूबर 2023 में वहां भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास का एक परिसर स्थापित किया गया था।

जयशंकर ने सोशल मीडिया पर कहा, हमने उच्च शिक्षा, क्षमता निर्माण, जलापूर्ति, स्वास्थ्य, कृत्रिम मेधा, डिजिटल और प्राथमिकता वाले अन्य क्षेत्रों में अपना सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। विदेश मंत्री ने जंजीबार स्थित आईआईटी मद्रास परिसर को भारत की घनिष्ठ साझेदारी तथा अफ्रीका की शिक्षा एवं विकास संबंधी प्राथमिकताओं के प्रति उसकी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता का ''शानदार उदाहरण'' बताया। म्विनी भारत की यात्रा पर हैं। इस बीच, उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने भी म्विनी के साथ ''व्यापक और सार्थक चर्चा'' की।

उपराष्ट्रपति कार्यालय ने कहा, बैठक में भारत-तंजानिया की दीर्घकालिक साझेदारी और जंजीबार के साथ भारत के विशेष संबंधों की फिर से पुष्टि की गई। ये संबंध सदियों पुराने समुद्री, सांस्कृतिक और लोगों के बीच आपसी संबंधों पर आधारित हैं। उसने कहा, दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, विकास साझेदारी, पर्यटन, नीली अर्थव्यवस्था, शिक्षा, प्रौद्योगिकी और बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। उपराष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि राधाकृष्णन ने प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाकर साझा विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए तंजानिया और जंजीबार के साथ साझेदारी की भारत की प्रतिबद्धता दोहराई।

पुरस्कार

संयुक्त राज्य अमेरिका के मियामी में फीफा विश्व कप 2026 के कांस्य पदक (तीसरे स्थान) के लिए फ्रांस और इंग्लैंड के बीच खेले गए मुकाबले के बाद ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त करते इंग्लैंड के स्टार फुटबॉलर हैरी केन (बाएं)।

हमारी जनगणना हमारा विकास
गृह मंत्रालय भारत सरकार
(जनगणना 2027 का पहला चरण)
स्व-गणना (Self Enumeration) से जुड़े सामान्य प्रश्न और उत्तर (भाग-2)

स्व-गणना क्या है?
स्व-गणना एक ऑनलाइन प्रक्रिया है जिसमें आप प्रगणक की प्रतीक्षा किए बिना, स्वयं SE पोर्टल (se.census.gov.in) पर अपने परिवार की जानकारी भर सकते हैं

स्व-गणना के क्या लाभ हैं?
- अपनी सुविधा से जानकारी भर सकते हैं
- गोपनीयता सुनिश्चित
- जनगणना प्रक्रिया को तेज़ और कुशल बनाती है

स्व-गणना पोर्टल में लॉग-इन कैसे करें?
- राज्य / संघ राज्य क्षेत्र चुनें
- मुखिया का नाम, मोबाइल नंबर और ईमेल (वैकल्पिक) भरें
- OTP द्वारा सत्यापन करें
- स्व-गणना शुरू करें

अपने घर का सही स्थान कैसे चिन्हित करें?
- जिला / पिनकोड चुनें
- क्षेत्र / लैंडमार्क दर्ज करें
- मैप पर ज़ूम करें और घर के पास लोकेशन मार्क करें (सटीक पता न दिखने पर घबराएं नहीं)
- सही लोकेशन चिन्हित करना आवश्यक है

क्या मैं अपनी जानकारी बाद में संशोधित कर सकता / सकती हूँ?
- सबमिट करने से पहले एडिट कर सकते हैं
- सबमिशन के बाद, प्रगणक के आने पर ही बदलाव संभव होगा

क्या स्व-गणना (SE) पोर्टल को भारत के बाहर से एक्सेस किया जा सकता है?
नहीं, यह सुविधा केवल भारत की भौगोलिक सीमा के भीतर उपलब्ध है

यदि सबमिशन के बाद गलती पता चले तो क्या करें?
प्रगणक के आने पर SE ID के साथ सुधार करवाया जा सकता है

क्या मैं फॉर्म सेव करके बाद में पूरा कर सकता / सकती हूँ?
हां, आप प्रोग्रेस सेव कर सकते हैं और निर्धारित समय के भीतर फॉर्म पूरा कर सकते हैं

CBC 19108/13/0152/2627

टोल फ्री - 1855

चलो निभाएं अपनी ज़िम्मेदारी, करें जनगणना में भागीदारी
CensusIndia2027

पंजाब में आप, कांग्रेस, शिरोमणि अकाली दल जनता का भरोसा खो रहे : पासवान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने रविवार को कहा कि पंजाब में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप), कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल (शिअद) लगातार जनता का भरोसा खो रहे हैं। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष पासवान ने कहा कि उनकी पार्टी 2027 में होने वाले विधानसभा चुनावों को देखते हुए पंजाब में अपनी पकड़ मजबूत करने के साथ-साथ अन्य राज्यों में भी अपना विस्तार करने पर काम कर रही है।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री रविवार को अमृतसर पहुंचे, जहां उन्होंने अपनी मां के साथ स्वर्ण मंदिर में मत्था टेका और जलियांवाला बाग की यात्रा की।

पासवान ने पत्रकारों से बातचीत में आम आदमी पार्टी नीत राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि ''पंजाब के भविष्य के लिए यह सरकार सही विकल्प नहीं हो सकती, क्योंकि आप ने दिल्ली में 10 वर्षों तक शासन करते हुए उसे बर्बाद किया और लूटा।'' उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब के लोगों ने आप को सरकार बनाने का मौका दिया, लेकिन पार्टी इसके बजाय भ्रष्टाचार में लिप्त हो गई।

पासवान ने राज्य में नशे की समस्या को लेकर भी आप सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, ''जहां तक मेरी जानकारी है, पंजाबी लोग आप से पूरी तरह निराश हो चुके हैं और वे बदलाव चाहते हैं।'' पासवान ने कहा कि ''वह पंजाब में अपनी पार्टी को मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं। आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि भविष्य में कोई गठबंधन होगा या हम कितनी सीटों पर चुनाव लड़ पाएंगे। हालांकि, हम सभी सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं।''

शिरोमणि अकाली दल पर निशाना साधते हुए पासवान ने कहा कि यह पार्टी लंबे समय तक पंजाब की सत्ता में रही है, उसके शासन का तरीका और उसके कार्यकाल के दौरान राज्य में विकास की कमी किसी से छिपी नहीं है। कांग्रेस में कथित अंदरूनी कलह पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा, ''कांग्रेस में जो स्थिति पहले (नवजोत सिंह) सिद्धू जी और कैप्टन साहब (अमरिंदर सिंह) के बीच थी, वही स्थिति अब (चरणजीत सिंह) चन्नी और प्रदेश अध्यक्ष (अमरिंदर सिंह राजा वडिंग) के बीच बनी हुई है।'' पासवान ने दावा किया कि ये तीनों दल धीरे-धीरे जनता का भरोसा खो रहे हैं। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि मेरी पार्टी लोजपा (रामविलास) को यहां की जनता का आशीर्वाद मिलेगा।

जम्मू और राजौरी में नदियों में फंसे 14 लोगों को सुरक्षित निकाला गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू और राजौरी जिलों के विभिन्न हिस्सों में उफान पर आई नदियों में फंसे कम से कम 14 लोगों को पुलिस, सेना और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) के संयुक्त अभियान में रविवार को सुरक्षित निकाल लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि कई घंटे के समन्वित अभियान में पुलिस और एसडीआरएफ ने जम्मू में पीर खो मंदिर के निकट तवी नदी में फंसे तीन युवकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। अचानक जलस्तर बढ़ने के कारण तीनों नदी के बीच फंस गए थे।

उन्होंने बताया कि सूचना मिली थी कि नदी में नहाने गए तीन युवक जल स्तर अप्रत्याशित रूप से बढ़ जाने के कारण नदी से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। अधिकारी के अनुसार, जम्मू शहर के रणदीप सिंह और मुनीश शर्मा तथा बिहार निवासी उनके मित्र विकास कुमार को सकुशल निकाल लिया गया।

एक अन्य बचाव अभियान में सेना के जवानों ने पुलिस और एसडीआरएफ के साथ मिलकर राजौरी जिले के धनगरी क्षेत्र में बाढ़ से उफनाई धनगरी नदी में फंसे दो लड़कों तथा थानामंडी क्षेत्र में फंसे नौ अन्य लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। सेना की 'व्हाइट नाइट कोर' ने बताया कि रविवार तड़के राजौरी शहर में अचानक आई बाढ़ के बाद उसके जवानों ने एसडीआरएफ और स्थानीय प्रशासन के सहयोग से कई बचाव अभियान में सहयोग किया।

इसने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, बाढ़ की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों और तेज बहाव के बीच जवानों ने पांच बच्चों सहित 11 लोगों को सुरक्षित निकाला।

इनमें थानामंडी के दक्षिण में चूरुंग गांव के पास नाले के दूसरी ओर फंसे नौ लोग और धनगरी के निकट नौशहरा तवी नदी के बीच स्थित टिले पर फंसे दो युवक शामिल हैं।

असम के कार्बी आंगलोंग में मिलीं प्राचीन मूर्तियां और शिलालेख, इतिहास के नए पन्ने खुले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दीफू/असम/भाषा। असम के कार्बी आंगलोंग जिले में इतिहास का एक अनमोल खजाना सामने आया है। हाल में यहां खुदाई के दौरान पत्थर की प्राचीन दुर्लभ मूर्तियां और शिलालेख मिले हैं, जो राज्य की समृद्ध पुरातात्विक विरासत के साथ-साथ उसके अतीत के कई अनछुए अध्याय पर नई रोशनी डालती हैं। ये दुर्लभ वस्तुएं मध्य असम के इस जिले के फुलोनी क्षेत्र में स्थित सार्थे रोंगफार गांव में मिली हैं जो अतीत की विरासत को सामने लाने में इस क्षेत्र के महत्व को दर्शाता है। दो सौ वर्ष पुराने दो तालाबों के आसपास पुरातत्वविदों और स्थानीय ग्रामीणों द्वारा की गई खुदाई में अनेक दुर्लभ कलाकृतियां मिली हैं। इनमें बारीक नक्काशी वाली नृत्य की मुद्रा वाली आकृतियां, देवी-देवताओं की मूर्तियां, शिवलिंग, प्राचीन मंदिरों के अवशेष तथा एक विशाल चट्टान पर उकेरी गई भगवान गणेश की आकर्षक आकृति शामिल हैं।

कार्बी आंगलोंग के उपायुक्त अरण्यक सैकिया ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''हाल में सार्थे रोंगफार गांव के दौरे के दौरान मुझे असम की पुरातात्विक विरासत के एक ऐसे अद्भुत, लेकिन कम चर्चित अध्याय को देखने का अवसर मिला। गांव के दो प्राचीन तालाबों के आसपास की खुदाई में पत्थर की मूर्तियों और शिलालेखों का प्रभावशाली संग्रह सामने आया है।'' उन्होंने बताया कि विशेषज्ञों का मानना है कि इनमें से अधिकांश वस्तुएं 10वीं से 12वीं शताब्दी के बीच की हैं। हालांकि, स्थानीय परंपराएं इन्हें महाभारत काल और पौराणिक अश्वमेध यज्ञ से जोड़ती हैं।

सैकिया ने कहा, ''स्थानीय लोग इन्हें महाभारत काल का मानते हैं, लेकिन ऐतिहासिक दृष्टि से इनके अहोम शासनकाल के समय के होने की संभावना है। हालांकि, इस संबंध में स्पष्ट ऐतिहासिक अभिलेख उपलब्ध नहीं हैं।'' उन्होंने बताया कि सबसे दिलचस्प बात ग्रामीणों का यह दावा है कि इन दोनों तालाबों का जलस्तर मौसम बदलने के बावजूद कभी नहीं घटता-बढ़ता और पूरे वर्ष लगभग एक समान बना रहता है। सैकिया ने कहा, ''इनमें से कई अमूल्य पुरावस्तुओं को होजाई पुरातत्व संग्रहालय और दीफू स्थित जिला संग्रहालय में सुरक्षित रखा गया है।'' उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि अधिकांश अवशेष जर्जर अवस्था में मिले हैं। हालांकि, अब जिला प्रशासन ने इनके संरक्षण और सुरक्षित रखरखाव के लिए आवश्यक कदम उठाने शुरू कर दिए हैं।

सैकिया ने कहा, ''गांव के अलग-अलग हिस्सों में आज भी अनेक पुरावशेष बिखरे पड़े हैं। हमने देखा है कि इनमें से कुछ प्राचीन अवशेषों का इस्तेमाल स्थानीय लोग अब रोजमर्रा के घरेलू कार्यों में भी करने लगे हैं।'' उन्होंने कहा कि ये खोज कोई अकेली घटना नहीं हैं। फुलोनी-डोकमोका-हावराघाट का पूरा इलाका ऐसे अनेक पुरातात्विक स्थलों से समृद्ध है, जो कछारी और दबोक राजवंशों के शासनकाल के दौरान इस क्षेत्र के ऐतिहासिक महत्व की पुष्टि करते हैं। विरासत संरक्षण से जुड़े विशेषज्ञों और स्थानीय लोगों ने इन पुरातात्विक स्थलों का व्यापक दस्तावेजीकरण, वैज्ञानिक संरक्षण और इनके प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने की मांग की है, ताकि असम के इतिहास का यह अनमोल अध्याय आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखा जा सके। सैकिया ने कहा, ''इन पहाड़ियों और गांवों की मिट्टी के नीचे इतिहास की अनगिनत कहानियां, परंपराएं और ऐसे अवशेष छिपे हैं, जिन पर अब तक बहुत कम ध्यान दिया गया है।'' पिछले माह कार्बी आंगलोंग जिला प्रशासन ने कहा था कि वह इंस्टीट्यूट ऑफ ताई स्टडीज एंड रिसर्च' (आईटीएसएआर) के विशेषज्ञों से संपर्क करने पर विचार कर रहा है, ताकि यहां सुरक्षित रखी गई दो दुर्लभ ताई पांडुलिपियों का रहस्य समझा जा सके।

मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन को सूखे के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए, लापरवाही के खिलाफ चेतावनी दी

बेंगलूरु। मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा, आपकी उदासीनता के कारण किसी भी किसान को नुकसान नहीं होना चाहिए। किसी भी प्रकार की ढिलाई या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। रविवार को विधान सौधा में राज्य भर के सूखाग्रस्त जिलों को संबोधित करने के लिए बुलाई गई जिला परिषदों की बैठकमेंमुख्यमंत्री ने कहा कि पेयजल, पशुओं को चारा, फसल नुकसान के लिए बीमा और राज्य के ग्रामीण इलाकों में जल समस्याओं को कम करने के लिए बोरवेल खोदना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताएं हैं।

यह बहुत महत्वपूर्ण बैठक है। आने वाले दिनों में हमें सूखे से उत्पन्न होने वाले किसी भी संकट से निपटने के लिए तैयार रहना चाहिए। हम यहाँ कागजी कार्रवाई देखने नहीं आए हैं। सभी आंकड़ों और सांख्यिकी का जमीनी हकीकत से मिलान किया जाएगा। इसलिए बिना सत्यापन के मात्र आंकड़े न दें, उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया। हमारी सरकार इस दौरान कृषि क्षेत्र, विशेष रूप से कर्नाटक के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की मदद के लिए सभी हितधारकों के साथ सक्रिय रूप से बातचीत कर रही है। कर्नाटक में भारी वर्षा की कमी है। बुवाई केवल 32% हुई है। 5-6 जिलों को छोड़कर लगभग 82% जिलों में अपर्याप्त वर्षा हो रही है, उन्होंने अधिकारियों को बताया।

सेना कमांडर ने लद्दाख के अग्रिम क्षेत्र का दौरा किया, सैनिकों से कड़ा प्रशिक्षण लेने का आह्वान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लेह/भाषा। सेना की उत्तरी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने लद्दाख में अग्रिम मोर्चे पर तैनात एक सैन्य इकाई का दौरा किया और सैनिकों से अधिक कड़ा प्रशिक्षण लेने तथा अटूट संकल्प के साथ हर चुनौती का सामना करने का आह्वान किया। एक आधिकारिक बयान में रविवार को यह जानकारी दी गई।

उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ ने इस दौरान 'फायर एंड फ्यूरी कोर' की बहु-मॉडल व्हाइट-वॉटर राफ्टिंग और पर्वतीय क्षेत्र बाइकिंग साहसिक अभियान में भाग लेने वाले प्रतिभागियों से बातचीत की। यह अभियान हर वर्ष 26 जुलाई को मनाए जाने वाले कारगिल विजय दिवस से पहले आयोजित किया गया था।

उत्तरी कमान ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''सेना कमांडर ने लद्दाख सेक्टर में अग्रिम मोर्चे पर तैनात एक इकाई का दौरा किया। उन्हें विशेष प्रौद्योगिकियों को अपनाने, नई पीढ़ी के हथियारों और उपकरणों को शामिल करने तथा परिचालन क्षमता बढ़ाने के लिए अभिनव प्रक्रियाओं को लागू करने संबंधी उपायों की जानकारी दी गई।'' पोस्ट में कहा गया कि लेफ्टिनेंट जनरल शर्मा ने सभी रैंक के सैन्यकर्मियों से बातचीत की और विभिन्न परिस्थितियों से निपटने के लिए तैयार की गई सैन्य गठन की परिचालनगत सक्रियता तथा नवोन्मेषी रणनीतियों की सराहना की। बयान के अनुसार, उन्होंने चुनौतीपूर्ण उच्च हिमालयी क्षेत्र में सैनिकों की पेशेवर दक्षता, अदम्य साहस और कर्तव्य के प्रति उनकी निरंतर निष्ठा की प्रशंसा की।

इसमें कहा गया, ''सैन्य कमांडर ने सैनिकों के अमूल्य योगदान के लिए उन्हें सम्मानित करते हुए सभी रैंक के कर्मियों से उत्कृष्टता की इस गति को बनाए रखने, और अधिक कड़ा प्रशिक्षण लेने तथा दृढ़ संकल्प के साथ हर चुनौती का सामना करने का आह्वान किया।''

शिवसेना (उबाठा) सांसदों के शिंदे गुट में विलय पर राउत ने कहा,

'यह लोकतंत्र का बलात्कार और हत्या'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। शिवसेना (उबाठा) के छह सांसदों के एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना में विलय को लोकसभा अध्यक्ष की मंजूरी मिलने के बाद, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले गुट के नेता संजय राउत ने रविवार को कहा कि यह कदम लोकतंत्र का ''बलात्कार और हत्या'' करने जैसा है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता राउत ने बिना किसी का नाम लिए कहा, ''शिवसेना (उबाठा) के 'जलती हुई मशाल' चुनाव चिह्न पर चुने गए सांसदों को खरीद लिया गया। यह लोकतंत्र का बलात्कार और हत्या है और यह एक गंभीर अपराध है। ये लोग सीरियल किलर और बलात्कारी हैं।'' राउत ने सवाल किया कि जब संविधान की दसवीं अनुसूची के तहत किसी गुट के अलग होने या विलय की इजाजत नहीं है, तो लोकसभा अध्यक्ष ने इसकी अनुमति कैसे दी। पत्रकारों से बातचीत में राउत ने शनिवार को कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को अस्पताल ले जाने के लिए भी केंद्र सरकार की आलोचना की।

वांगचुक को भूख हड़ताल के 21वें दिन दिल्ली पुलिस जबरन सफदरजंग अस्पताल ले गई। वह मेडिकल की प्रवेश परीक्षा नीट में कथित अनियमितताओं और इस विवाद से जुड़े छात्रों की कथित मौतों के विरोध में कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के नेतृत्व वाले प्रदर्शन के समर्थन में 28 जून से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल कर रहे हैं। राउत ने कहा कि लोकतंत्र में हर तरह के विरोध प्रदर्शन की अनुमति होती है। उन्होंने कहा, महात्मा गांधी ने अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल का रास्ता अपनाया था और अंग्रेजों को बातचीत शुरू करने के लिए मजबूर किया था। लेकिन वांगचुक अनशन करते हैं तो सरकार कोई बातचीत नहीं करती, बल्कि उन्हें प्रदर्शन स्थल से जबरन उठा ले जाती है। उन्हें अस्पताल ले जाने के लिए स्ट्रेचर तक उपलब्ध नहीं कराया गया। उन पर अनशन खत्म करने का दबाव बनाया गया, जिसकी निंदा की जानी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने फुटबॉल प्रशंसकों से फीफा विश्व कप फाइनल के दौरान धैर्य बनाए रखने की अपील की

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने रविवार को फुटबॉल प्रेमियों से फीफा विश्व कप फाइनल देखते समय धैर्य और शांति बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि मैच के सीधे प्रसारण की सुविधा के लिए सरकार ने होटल और रेस्तरां को देर रात 3.30 बजे तक खुले रखने की विशेष अनुमति दी है।

मुख्यमंत्री ने विधान सौध में संवाददाताओं से कहा कि युवाओं की इच्छा को देखते हुए राज्य सरकार ने होटल और रेस्तराओं को सामान्य समय से अधिक देर तक खुले रहने की अनुमति दी है ताकि फुटबॉल प्रशंसक फाइनल मुकाबला देख सकें।

मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा, पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर कैमरे लगाए हैं। मैच में कोई भी जीते, लेकिन युवाओं को अपना धैर्य नहीं खोना चाहिए। उन्हें फुटबॉल मैच शांति से देखना चाहिए। मुख्यमंत्री ने राज्य में उभरती सूखे की स्थिति से निपटने की तैयारियों की भी समीक्षा की और कहा कि मंत्रियों, उपायुक्तों तथा पुलिसकर्मियों को चौबीसों घंटे काम करना होगा।

उन्होंने कहा, मंत्रियों, उपायुक्तों और पुलिस के लिए न तो रविवार है और न ही कोई छुट्टी। उन्हें 24 घंटे काम करना होगा।

राजीव चंद्रशेखर ने वक्फ कानून को लेकर माकपा व आईयूएमएल पर डर और भ्रम फैलाने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केरल इकाई के अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने संशोधित वक्फ कानून को लेकर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) पर लोगों में डर और गलत जानकारी फैलाने का आरोप लगाया और कहा कि यह मुद्दा धर्म का नहीं बल्कि कानून के शासन का है। चंद्रशेखर ने शनिवार को एक पोस्ट में कहा कि संसद ने ऐसा कानून पारित किया है, जिसके तहत राज्य वक्फ बोर्डों में दो गैर-मुस्लिम सदस्यों को शामिल करना अनिवार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि यह कानून केरल सहित पूरे देश में लागू है।

उन्होंने कहा, ''वक्फ का मुद्दा धर्म से जुड़ा नहीं है, बल्कि कानून के शासन से जुड़ा है। लोगों को सच्चाई बताने के बजाय माकपा और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग एक बार फिर डर फैला रहे हैं।'' चंद्रशेखर ने आरोप लगाया कि दोनों दल जानबूझकर गलत सूचनाएं फैला रहे हैं और संसद द्वारा पारित कानून का सम्मान करने के बजाय राजनीतिक लाभ के लिए इस मुद्दे को सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश कर रहे हैं।

भाजपा नेता ने कहा, ''उनका उद्देश्य बिल्कुल स्पष्ट है- लोगों में भय पैदा करना, उन्हें बांटना और भाजपा को मुस्लिम विरोधी पार्टी के रूप में पेश करना।'' चंद्रशेखर ने आरोप लगाया कि माकपा और कांग्रेस ही वास्तविक सांप्रदायिक दल हैं, जिन्होंने तुष्टीकरण की राजनीति को बढ़ावा दिया है। उन्होंने कहा,''भाजपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो बिना किसी डर, पक्षपात या तुष्टीकरण के सभी मलयालियों के हित में काम करती है।'' उनकी यह टिप्पणी 15 जुलाई को केरल उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए अंतरिम आदेश के कुछ दिन बाद आई है। अदालत ने राज्य वक्फ बोर्ड को अपनी अनुमति के बिना कोई बड़ा निर्णय लेने से रोक दिया था।

डॉ. रेड्डी फाउंडेशन की मिट्टी जांच प्रयोगशाला में एक लाख नमूनों की जांच का लक्ष्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीकाकुलम (आंध्र प्रदेश) भाषा। दवा कंपनी डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज के कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) कोष के प्रमुख लाभार्थियों में से एक और पारिवारिक ट्रस्ट 'डॉ. रेड्डी फाउंडेशन' अपनी हैदराबाद स्थित मृदा परीक्षण प्रयोगशाला (सॉयल टेस्टिंग फैसिलिटी) के परिचालन का दायरा बढ़ा रहा है।

प्रयोगशाला ने आगामी रबी सीजन से पहले 75,000 से 1,00,000 नमूनों की जांच का लक्ष्य रखा है, जो इसके परिचालन के पहले पूरे साल के दौरान जांचे गए नमूनों की तुलना में दोगुने से भी अधिक है। यह कदम मिट्टी की घटती गुणवत्ता और वर्ष 2015 में देशभर में शुरू की गई केंद्र सरकार की मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के क्रियान्वयन में मौजूद खामियों को लेकर बढ़ती चिंता के बीच की जा रही है।

फाउंडेशन में ग्रामीण आजीविका एवं जलवायु कार्रवाई निदेशक सुमन सरस्वतीबटला ने कहा, ''हालांकि सरकार की ओर से मिट्टी की जांच की व्यवस्था मौजूद है, लेकिन समस्या का स्तर बहुत बड़ा है। इसलिए हमने अपने स्तर पर इस मुद्दे के समाधान का फैसला किया।'' सरस्वतीबटला ने बताया कि भरोसेमंद मिट्टी जांच समाधान तलाशने के लिए फाउंडेशन ने करीब सात साल तक प्रयास किए, जिसके बाद अपनी प्रयोगशाला स्थापित करने का निर्णय लिया गया। उन्होंने बताया कि फाउंडेशन ने कृषि विज्ञान केंद्रों, कृषि विश्वविद्यालयों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), सीजीआईएआर संस्थानों और त्वरित मिट्टी जांच उपकरण उपलब्ध कराने वाली निजी कंपनियों से संपर्क किया, लेकिन कोई भी व्यवस्था उसकी जरूरतों के अनुरूप नहीं मिली।

उन्होंने कहा, ''यदि जांच में सटीकता है तो निरंतरता की समस्या है और यदि निरंतरता है तो सटीकता की समस्या है।'' उन्होंने कहा कि भरोसेमंद विश्लेषण के लिए जरूरी प्रयोगशाला सुविधाएं पर्याप्त नहीं थीं, जिससे बड़े स्तर पर मिट्टी के नमूनों की सही जांच संभव नहीं हो पा रही थी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2023 का एक अनुभव इस दिशा में बदलाव का कारण बना। फाउंडेशन ने जांच के लिए एक वैश्विक शोध संस्थान को 5,000 मिट्टी के नमूने भेजे थे, लेकिन उनकी रिपोर्ट मिलने में पूरा एक साल लग गया। तब तक दो फसल सत्र बीत चुके थे।

अस्पतालों के अंदर राजनीतिक गतिविधियों की अनुमति नहीं दी जाएगी : केरल के स्वास्थ्य मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पथानमथिट्टा/भाषा। केरल के स्वास्थ्य मंत्री के. मुरलीधरन ने रविवार को सरकारी अस्पतालों के भीतर राजनीतिक संगठनों द्वारा मुफ्त भोजन वितरण के खिलाफ अपना रुख और सख्त करते हुए कहा कि अस्पताल परिसरों में किसी भी प्रकार की राजनीतिक गतिविधि की अनुमति नहीं दी जाएगी। मंत्री ने कहा कि संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) सरकार की नीति यह सुनिश्चित करने की है कि मरीजों और उनके तीमारदारों के लिए मुफ्त भोजन केवल सरकारी अस्पतालों में स्थापित की जाने वाली सामुदायिक रसोई के माध्यम से ही वितरित किया जाए।

मुरलीधरन ने यहां पत्रकारों से कहा, ''अस्पतालों के भीतर अधिकार क्षेत्र स्वास्थ्य विभाग का है, किसी भी राजनीतिक संगठन का नहीं। यदि वे भोजन वितरित करना चाहते हैं तो अस्पताल परिसर के बाहर कर सकते हैं, लेकिन अस्पताल के अंदर इसकी जिम्मेदारी सरकार की है।'' उन्होंने कहा कि यूडीएफ सरकार किसी भी राजनीतिक दल या संगठन को किसी भी परिस्थिति में अस्पताल परिसर के भीतर गतिविधियां संचालित करने की अनुमति नहीं देगी। मंत्री ने कहा, ''पार्टी के बैनर या झंडे लगाकर भोजन का वितरण नहीं होना चाहिए। यह गलत है और सरकार इसकी अनुमति नहीं देगी। यदि संगठन सहायता करना चाहते हैं, तो वे सामुदायिक रसोई में योगदान दे सकते हैं।'

टीटीडी की गोशाला में दान किए गए घोड़े की बीमारी के कारण मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपति/भाषा। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) की श्री वेंकटेश्वर गोसंरक्षण शाला को हाल में दान में मिले घोड़े की बीमारी के कारण मौत हो गई।

यह घोड़ा 13 जुलाई को गोशाला में आने के तुरंत बाद से ही पृथकवास में था, तथा उसके रक्त तथा गोबर के नमूने तिरुपति की राज्य पशु रोग निदान प्रयोगशाला में भेजे गए थे। मंदिर संस्था द्वारा शनिवार देर रात जारी एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में एसवी गोशाला के निदेशक ए वी एन शिवकुमार ने कहा, पशु चिकित्सकों द्वारा तमाम चिकित्सा प्रयासों और निरंतर निगरानी के बावजूद घोड़े ने शनिवार को दम तोड़ दिया।

उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच से संकेत मिले हैं कि यह पशु लिवर और किडनी संबंधी बीमारियों से ग्रस्त था। उन्होंने कहा कि पहले दिन से ही घोड़े में बीमारी के लक्षण दिख रहे थे। उन्होंने बताया कि पशु चिकित्सकों और विशेषज्ञों की सलाह के आधार पर घोड़े को आवश्यक उपचार तथा विशेष देखभाल प्रदान की गई। विज्ञप्ति में यह भी कहा गया कि दानकर्ता एवं मदुरै के वाडिवेलु मुगंदन शनिवार को एसवी गोशाला आए थे और घोड़ा की मौत के समय वहीं मौजूद थे। शिवकुमार ने कहा कि मृत्यु के सटीक कारण का पता लगाने के लिए पोस्टमार्टम किया गया है, और विस्तृत प्रयोगशाला विश्लेषण के लिए आवश्यक नमूने भेज दिए गए हैं। श्री वेंकटेश्वर पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय के पशु चिकित्सा विशेषज्ञों की एक टीम ने पोस्टमार्टम किया। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि प्रारंभिक निष्कर्षों से पता चला है कि घोड़ा लिवर, हृदय और किडनी संबंधी बीमारियों से ग्रस्त था, जबकि मृत्यु के सटीक कारण की पुष्टि अंतिम पोस्टमार्टम रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद ही होगी। टीटीडी, तिरुपति में श्री वेंकटेश्वर मंदिर की आधिकारिक संरक्षक संस्था है, जिसे दुनिया का सबसे धनी हिंदू मंदिर माना जाता है।

द्रमुक नेता मूर्ति ने 'कमीशन' के दावों पर मंत्री निर्मल कुमार को चुनौती दी, कहा- 'सबूत दें'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेता एवं पूर्व मंत्री पी. मूर्ति ने अपने कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार और भूमि घोटाले के आरोपों को रविवार को खारिज करते हुए तमिलनाडु के मंत्री आर. निर्मल कुमार को ठोस सबूत पेश करने की चुनौती दी।

राज्य के 589 पंजीकरण कार्यालयों से '20 प्रतिशत कमीशन' मिलने के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए मूर्ति ने राज्य के कानून एवं बिजली मंत्री निर्मल कुमार से इन आरोपों के समर्थन में प्रमाण प्रस्तुत करने को कहा।

उन्होंने कहा, ''उन्हें यह बताना चाहिए कि किस कार्यालय में, मैंने किससे बात की, क्या निर्देश दिए, किस दस्तावेज और किस सर्वेक्षण के पंजीकरण के लिए कहा। उन्हें स्पष्ट रूप से यह भी बताना चाहिए कि मैंने किस विशेष व्यक्ति के लिए निषिद्ध संपत्ति का पंजीकरण कराने का आदेश दिया था।''

पूर्व पंजीकरण मंत्री यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने पंजीकरण विभाग की कार्यप्रणाली भी स्पष्ट की। मूर्ति ने कहा कि मंदिरों की भूमि, जलाशयों और सरकारी पोरम्बोक भूमि को पंजीकरण प्रणाली में स्पष्ट रूप से चिह्नित किया गया है, ताकि उनका अवैध हस्तांतरण रोका जा सके। उन्होंने कहा कि किसी भी संपत्ति का पंजीकरण पहले से टोकन जारी होने के बाद ही होता है और अज्ञानता या लापरवाही से ऐसा नहीं किया जा सकता।

पूर्व मंत्री ने 2021 से मार्च 2026 तक अपने कार्यकाल के दौरान विभाग की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि पंजीकरण विभाग का राजस्व 2021 में 10,000 करोड़ रुपये से बढ़कर मार्च 2026 तक 25,000 करोड़ रुपये हो गया। उन्होंने कहा कि इसी अवधि में वाणिज्यिक कर विभाग का राजस्व 96,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 1.43 लाख करोड़ रुपये हो गया, जिससे दोनों विभागों का संयुक्त राजस्व 1.68 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया।

मूर्ति ने सार्वजनिक सेवाओं, विशेषकर बिजली विभाग के संचालन को लेकर मौजूदा सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मुफ्त बिजली यूनिट के पहले किए गए वादों के बावजूद बिजली दरों में वृद्धि हुई है। उन्होंने चेताया, बिजली आपूर्ति पर पहले से दबाव दिखाई दे रहा है। यदि मौजूदा मंत्री ने तत्काल सुधारात्मक कदम नहीं उठाए तो अगले तीन से चार महीनों में राज्य को गंभीर बिजली संकट का सामना करना पड़ सकता है।

पूर्व मंत्री ने कहा कि उन्होंने पार्टी में 48 वर्षों तक काम किया है, जिनमें 26 वर्ष जिला सचिव के रूप में शामिल हैं और वह जनादेश का सम्मान करना जानते हैं। उन्होंने कहा कि तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के नेतृत्व वाली सरकार को अभी केवल 60 दिन हुए हैं। वह अगले तीन महीने तक उसके कामकाज पर नजर रखेंगे, जिसके बाद ही राजनीतिक स्तर पर अपनी प्रतिक्रिया को आगे बढ़ाएंगे।

तमिलनाडु गैस रिसाव मामला : एनजीटी ने सीपीसीबी, अन्य को नोटिस जारी किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/चेन्नई। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने तमिलनाडु में एक समुद्री खाद्य प्रसंस्करण इकाई में 21 जून को अमोनिया गैस रिसाव के मामले में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) और अन्य संबंधित पक्षों से जवाब मांगा है।

इस हादसे में दो प्रवासी श्रमिकों की मौत हो गई थी, जबकि 60 से अधिक अन्य लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। एनजीटी ने गैस रिसाव से संबंधित एक समाचार का स्वतः संज्ञान लेते हुए कार्रवाई शुरू की थी।

एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव और विशेषज्ञ सदस्य अफरोज अहमद की पीठ ने दो जुलाई के आदेश में कहा, यह मामला तमिलनाडु में 21 जून को एक समुद्री खाद्य इकाई में हुई दो श्रमिकों की मौत से संबंधित है।

तिरुवल्लूर जिले की झींगा प्रसंस्करण इकाई में अमोनिया गैस रिसाव के बाद ओडिशा के दो प्रवासी श्रमिकों की मौत हो गई थी और 60 से अधिक लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। आदेश की प्रति हाल में उपलब्ध हो पाई।

पीठ ने कहा कि प्रथम दृष्टया यह मामला वायु (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 और पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के उल्लंघन की ओर इशारा करता है। इसके अलावा, यह पर्यावरणीय मानकों के अनुपालन को लेकर महत्वपूर्ण

सवाल भी उठाता है। एनजीटी ने कहा कि अधिकारियों की प्रारंभिक जांच में सुरक्षा से जुड़ी कई गंभीर खामियां सामने आई हैं। पीठ ने कहा, समुद्री खाद्य प्रसंस्करण इकाई के खिलाफ औद्योगिक सुरक्षा मानकों समेत कई उल्लंघन पाए गए हैं। वहां उचित अलार्म प्रणाली, अग्निशमन रोधी प्रणाली या कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) योजना से संबंधित फॉर्म-12 रजिस्टर भी उपलब्ध नहीं पाया गया।

एनजीटी ने सीपीसीबी के सदस्य सचिव, तमिलनाडु प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (टीएनपीसीबी) के सदस्य सचिव, केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के चेन्नई क्षेत्रीय कार्यालय और तिरुवल्लूर के जिलाधिकारी को मामले में पक्षकार/प्रतिवादी बनाया है। एनजीटी ने प्रतिवादियों को नोटिस जारी करते हुए अगली सुनवाई से कम से कम एक सप्ताह पहले अधिकरण की दक्षिणी क्षेत्रीय पीठ (चेन्नई) के समक्ष हलफनामे के माध्यम से अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। क्षेत्राधिकार से जुड़े कारणों का हवाला देते हुए एनजीटी ने मामले को आगे की कार्यवाही के लिए चेन्नई स्थित अपनी दक्षिणी क्षेत्रीय पीठ को स्थानांतरित कर दिया है। मामले की सुनवाई 31 अगस्त को दक्षिणी क्षेत्रीय पीठ के समक्ष निर्धारित की गई है।

संसद में डीएमके ने मेकेदातु बांध पर बहस की मांग की

दोनों सदनों में स्थगन नोटिस पेश किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। द्रमुक ने कर्नाटक की प्रस्तावित मेकेदातु बांध परियोजना के विरोध को तेज करते हुए लोकसभा और राज्यसभा दोनों में स्थगन प्रस्ताव प्रस्तुत किए हैं, जिसमें संसद में इस मुद्दे पर तत्काल चर्चा की मांग की गई है।

पार्टी का कहना है कि यह मुद्दा तमिलनाडु की जल सुरक्षा और लाखों किसानों की आजीविका के लिए गंभीर खतरा है। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होने वाला है। ऐसे में पार्टी ने केंद्र से आग्रह किया है कि वह अन्य सभी निर्धारित कार्यवाहियों को अस्थायी रूप से स्थगित कर दे और मेकेदातु मुद्दे को सार्वजनिक महत्व का अत्यावश्यक मुद्दा मानते हुए उस पर विचार करे। यह कदम तमिलनाडु में कर्नाटक द्वारा मेकेदातु में कावेरी नदी पर एक संतुलन जलाशय के निर्माण के लंबे समय से लंबित प्रस्ताव को आगे बढ़ाने के प्रयासों को लेकर नई चिंताओं के बीच आया है। लोकसभा में द्रमुक संसदीय दल के नेता टीआर बालू ने अध्यक्ष को स्थगन प्रस्ताव का नोटिस प्रस्तुत किया, जिसमें परियोजना पर तत्काल बहस की मांग की गई। बालू ने अपने नोटिस में तर्क दिया कि कर्नाटक की बांध निर्माण की एकतरफा योजना का तमिलनाडु पर विशेष रूप से कावेरी नदी के पानी पर निर्भर किसानों पर दूरगामी प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित जलाशय राज्य के नदी जल के हिस्से को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है और कावेरी डेल्टा के कृषि समुदायों की आजीविका को खतरे में डाल सकता है। मामले की गंभीरता को देखते हुए टीआर बालू ने सदन से आग्रह किया कि वह अन्य सभी कार्यसूची को एक तरफ रख दे और बिना देरी किए इस मामले पर विस्तृत चर्चा करे।

द्रमुक लगातार यह कहती रही है कि मेकेदातु परियोजना निचले तटीय राज्यों की सहमति के बिना आगे नहीं बढ़ सकती और उसने तमिलनाडु में कावेरी के पानी के प्रवाह को कम करने वाले किसी भी कदम का बार-बार विरोध किया है। पार्टी ने इस बात पर भी जोर दिया है कि केंद्र सरकार कावेरी जल विवाद न्यायाधिकरण के फैसले और जल बंटवारे पर सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करे। द्रमुक के फ्लोर लीडर तिरुचि शिवा ने राज्यसभा में इसी तरह का स्थगन प्रस्ताव नोटिस प्रस्तुत किया। अपने नोटिस में शिवा ने प्रस्तावित बांध के प्रभावों पर तत्काल चर्चा की मांग की, यह तर्क देते हुए कि इस परियोजना के तमिलनाडु के लिए महत्वपूर्ण कानूनी, पर्यावरणीय और कृषि संबंधी परिणाम होंगे। ये दोनों नोटिस आगामी सत्र के दौरान मेकेदातु मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर लाने की डीएमके की समन्वित संसदीय रणनीति को दर्शाते हैं।

ऐसी उम्मीद है कि पार्टी एक व्यापक बहस के लिए दबाव डालेगी और केंद्र से हस्तक्षेप की मांग करेगी, ताकि सभी अंतरराज्यीय चिंताओं का समाधान होने तक कर्नाटक को परियोजना को आगे बढ़ाने से रोका जा सके।

कोयंबटूर में पूछताछ के बहाने युवती का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में पुलिस कांस्टेबल गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर। तमिलनाडु के कोयंबटूर में एक पुलिस कांस्टेबल को पूछताछ के बहाने अपने अधिकारों का दुरुपयोग कर एक युवती का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में निलंबित करते हुए गिरफ्तार कर लिया गया है।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि यह घटना 15 जुलाई की शाम की है, जब पीड़िता पुरुष मित्र के साथ बातचीत कर रही थी और थुडियालुर थाने में तैनात तथा गश्त ड्यूटी पर मौजूद कांस्टेबल विनोद कुमार की नजर दोनों पर पड़ी। कांस्टेबल ने दोनों को रोक लिया और वहां मौजूद होने को लेकर धमकाते हुए उनसे सवाल-जवाब किए। इसके बाद कांस्टेबल ने युवती को अलग ले जाकर पूछताछ करने को कहा। सूत्रों के मुताबिक, युवती के अकेले होने पर कांस्टेबल ने कथित तौर पर अश्लील भाषा का इस्तेमाल किया और उसका यौन उत्पीड़न किया। घटना से आहत युवती ने मित्र को आपबीती बताई, जिसके बाद उसके मित्र ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के समक्ष औपचारिक शिकायत दर्ज कराते हुए कांस्टेबल के कथित दुर्व्यवहार की जानकारी दी। वरिष्ठ अधिकारियों ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रारंभिक जांच कराई, जिसके बाद विनोद को निलंबित कर गिरफ्तार कर लिया।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार विजेताओं को दी बधाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने 72 वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में 10 सम्मान हासिल करने के लिए राज्य के फिल्म उद्योग के कलाकारों को रविवार को बधाई दी। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार मुख्यमंत्री ने कहा कि यह राज्य के लिए गर्व की बात है कि तमिल फिल्म जगत ने 2024 में रिलीज हुई फिल्मों के लिए विभिन्न श्रेणियों में बड़ी जीत हासिल की है। इन पुरस्कारों की घोषणा शनिवार रात नई दिल्ली में की गई थी।

विजय ने अभिनेता-निर्देशक धनुष की सराहना की, जिनकी निर्देशित फिल्म 'रायन' ने सर्वश्रेष्ठ तमिल फिल्म का पुरस्कार जीता। धनुष को फिल्म 'कैप्टन मिलर' में उनके अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता की श्रेणी में विशेष उल्लेख भी मिला। मुख्यमंत्री ने 'अमरन' की टीम को बधाई दी, जिसने तीन प्रमुख श्रेणियों में जीत हासिल की। राजकुमार पेरियासामी ने सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार जीता, आर. कलाईवन्नन ने सर्वश्रेष्ठ संपादन पुरस्कार हासिल किया और जी. वी. प्रकाश कुमार ने सर्वश्रेष्ठ पृष्ठभूमि संगीत का पुरस्कार अपने नाम किया।

आधिकारिक विज्ञप्ति में 'महाराजा' फिल्म की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया, जिसमें अनल अरासु ने सर्वश्रेष्ठ स्टंट कोरियोग्राफी का पुरस्कार जीता और सचना नामिदास ने सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का सम्मान हासिल किया।

राज्य के अन्य प्रमुख विजेताओं में सुरेन जी. शामिल थे, जिन्हें मेयाझगन' फिल्म के लिए ऑडियोग्राफी में विशेष उल्लेख मिला, और टी एस हरिहरसुधन शामिल थे, जिन्होंने लघु फिल्म ब्लू' के लिए सर्वश्रेष्ठ 'साउंड डिजाइन' का पुरस्कार जीता।

चेन्नई के पास पुलिस पर हमले के बाद कुख्यात अपराधी के पैर में गोली लगी

चेन्नई। चेन्नई के निकट तिरुमुडिवक्कम में एक कुख्यात अपराधी हिरासत से भागने के दौरान पुलिस की गोलीबारी में घायल हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दीं आरोप है कि हिरासत से भागने के प्रयास के दौरान उसने एक हेड कांस्टेबल पर हमला कर दिया, जिसके बाद पुलिस ने उस पर गोली चलाई। आरोपी की पहचान तमिल अलगु के रूप में हुई है। वह एक कुख्यात अपराधी है, जिसके खिलाफ रंगदारी, हत्या के प्रयास समेत कई जघन्य अपराधों के मामले दर्ज हैं। वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, पुलिस की विशेष टीम ने शनिवार देर रात तमिल अलगु को गिरफ्तार किया था। प्रारंभिक पूछताछ में एक मामले में जानकारी के आधार पर रविवार तड़के पुलिस उसे तिरुमुडिवक्कम के एक सुनसान स्थान पर छिपाकर रखे गए हथियारों का जखीरा बरामद करने के लिए ले गई। हालांकि, घटनास्थल पर पहुंचते ही तमिल अलगु ने अचानक छिपाकर रखा गया एक धारदार हथियार निकाल लिया और हेड कांस्टेबल सरवनन के हाथ पर वार कर दिया।

लोकसभा के वर्तमान संख्याबल के आधार पर महिला आरक्षण लागू हो : द्रमुक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने रविवार को कहा कि सरकार को लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने तथा परिसीमन संबंधी संविधान संशोधन विधेयक पर स्पष्ट फार्मूला सामने रखना चाहिए और यह आरक्षण निचले सदन के वर्तमान संख्याबल के आधार पर दिया जाना चाहिए।

पार्टी के वरिष्ठ नेता तिरुची शिवा ने सोमवार से शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र से एक दिन पहले सरकार द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में यह मुद्दा उठाया।

बैठक के बाद संवाददाताओं से बातचीत में उन्होंने कहा, द्रमुक मौजूदा लोकसभा सीटों की संख्या के आधार पर महिला आरक्षण विधेयक के पक्ष में है, लेकिन परिसीमन के मुद्दे पर हम और स्पष्टता चाहते हैं। शिवा ने कहा कि परिसीमन की कवायद से दक्षिणी राज्यों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए और उन्होंने सरकार से इस संबंध में अधिक स्पष्टता की मांग की। उन्होंने कहा, ''अगर इससे दक्षिणी राज्यों पर असर पड़ता है, तो इसे 25 साल के लिए स्थगित कर दिया जाना चाहिए।''

द्रमुक ने इस साल 17 अप्रैल को परिसीमन संबंधी संविधान संशोधन विधेयक के खिलाफ मतदान किया था। हालांकि, बदले हुए राजनीतिक समीकरणों के देखते हुए इस विधेयक पर उसका रुख निर्णायक भूमिका अदा कर सकता है। इस साल तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस ने उससे अलग होकर तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) से गठबंधन कर लिया।

टीवीके विधायक रिश्वत मामले में 2.82 करोड़ रुपये नकदी जब्त, दो लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) विधायक को कथित रूप से रिश्वत देने की कोशिश के मामले में चेन्नई की एक फाइनेंस कंपनी से 2.82 करोड़ रुपये से अधिक की बेहिसाबी नकदी जब्त की गई और इस सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, ये गिरफ्तारियां 18 जुलाई को की गईं। इससे पहले 17 जुलाई को चूलैमेडु स्थित 'दीपम फाइनेंस' में तलाशी ली गई थी। पुलिस को यह सूचना मिली थी कि टीवीके विधायकों को रिश्वत देने के लिए दी जाने वाली अग्रिम राशि वहां रखी गई है।

तलाशी के दौरान 2.82 करोड़ रुपये की बेहिसाबी नकदी बरामद की गई। पुलिस ने फाइनेंस कंपनी के संचालक करुणानिधि और सरवणन को पूछताछ के लिए बुलाया था। पुलिस के एक बयान के अनुसार, पूछताछ के दौरान दोनों ने स्वीकार किया कि एक आरोपी ने उन्हें यह नकदी टीवीके विधायकों को रिश्वत देने के लिए अग्रिम राशि के रूप में सौंपी थी। यह मामला तिरुपल्लीकेनी पुलिस थाने में दर्ज शिकायत से संबंधित है। शिकायत टीवीके के उथंगराई विधानसभा क्षेत्र से विधायक एन. इलैयाराजा ने दर्ज कराई थी।

विधायक ने आरोप लगाया था कि यूट्यूबर और जनमत सर्वेक्षण एजेंसी आईपीडीएस के संचालक तिरुनावुक्करासु तथा उनके सहयोगियों ने विधानसभा में होने वाले एक मत विभाजन के दौरान टीवीके के आधिकारिक रुख के खिलाफ वोट देने के लिए उन्हें 35 करोड़ रुपये की रिश्वत देने की पेशकश की थी। शिकायत के अनुसार, विधायक द्वारा रिश्वत लेने से इनकार किए जाने के बाद आरोपियों ने उन्हें और उनके परिवार को धमकियां दीं। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

'जन नायकन' की रिलीज से पहले तिरुपुर की परिधान फैक्टरियां विशेष टी-शर्ट' तैयार करने में जुटीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की अंतिम फिल्म मानी जा रही 'जन नायकन' की रिलीज में अब कुछ ही दिन बचे हैं। ऐसे में प्रशंसकों के लिए विशेष रूप से तैयार की जा रही 'टी-शर्ट' की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए तमिलनाडु के वस्त्र उद्योग के केंद्र तिरुपुर की परिधान फैक्टरियां चौबीसों घंटे काम कर रही हैं। कई महीनों तक चले मुकदमों, फिल्म के ऑनलाइन लीक होने और सेंसर बोर्ड के साथ रही गतिरोध की स्थिति के बाद यह बहुप्रतीक्षित फिल्म 23 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

फिल्म की रिलीज का इंतजार कर रहे राज्यभर के प्रशंसक अभिनेता से नेता बने विजय की तस्वीर वाली विशेष 'टी-शर्ट' के बड़े पैमाने पर 'ऑर्डर' स्थानीय विनिर्माताओं को दे रहे हैं, जिससे इन फैक्टरियों का उत्पादन चरम पर पहुंच गया है। 'तिरुपुर टेक्सटाइल यूनिट एसोसिएशन' के सदस्य के. प्रभाकरन ने कहा, कुछ दिन पहले फिल्म की रिलीज की घोषणा होने के बाद से यहां की वस्त्र निर्माण इकाइयां जन नायकन' की विशेष टी-शर्ट तैयार करने के लिए 'ओवर टाइम' काम कर रही हैं।'' उन्होंने बताया कि फिल्म की रिलीज में अब केवल चार दिन शेष हैं और 700 से अधिक वस्त्र इकाइयां टी-शर्ट के उत्पादन में जुटी हुई हैं। बढ़ती मांग को देखते हुए अधिकांश स्थानीय विनिर्माता राज्य भर में कूरियर सेवा और कैश ऑन डिलीवरी' (वस्तु प्राप्त होने पर भुगतान करने) की सुविधा भी उपलब्ध करा रहे हैं। स्थानीय परिधान फैक्टरी के मालिक के. सेवा नाथन ने कहा, ''कई वर्षों बाद हम इस तरह का उत्साह देख रहे हैं।'' केवल तमिलनाडु ही नहीं, बल्कि पड़ोसी राज्यों केरल और कर्नाटक से भी बड़ी संख्या में ऑर्डर मिल रहे हैं। इन टी-शर्ट पर मुख्यमंत्री विजय की लोकप्रिय तस्वीरों के साथ फिल्म का शीर्षक छपा है। कई 'ऑर्डर' में उनके राजनीतिक सफर का जश्न मनाने वाले नारे भी शामिल हैं। नाथन के अनुसार, ''फिल्म की रिलीज से पहले तय समय सीमा के भीतर ऑर्डर पूरे करने के लिए प्रिंटिंग इकाइयों में दोहरी पाली में काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा, इनमें काम करने वाले कई कर्मचारी खुद भी विजय के जबरदस्त प्रशंसक हैं। उनके लिए यह केवल काम नहीं, बल्कि अपने पसंदीदा अभिनेता को सम्मान देने जैसा है।''

तमिलनाडु फिल्म वितरक संघ के सूत्रों ने बताया कि 23 जुलाई से यह फिल्म राज्य के लगभग 1,000 सिनेमाघरों में प्रदर्शित किए जाने की संभावना है। फिल्म को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सेंसर बोर्ड) की मंजूरी मिलने की प्रक्रिया में काफी देरी हुई। इस दौरान कानूनी अड़चन और फिल्म की 'पायरेसी' जैसी समस्याओं का भी सामना करना पड़ा। 'जन नायकन' में पूजा हेगड़े, बॉबी देओल, ममिता बैजू, गौतम वासुदेव मेनन, प्रकाश राज और नारायण सहित कई प्रमुख कलाकार हैं। फिल्म का संगीत अनिरुद्ध रविचंदर ने दिया है, छायांकन सत्यन सूर्यन ने किया है और संपादन प्रदीप ई. राघव ने किया है।

सवारी डिब्बा कारखाना
चेन्नै - 600 038

निविदा सूचना संख्या 2026472212297

यह ई-निविदा IREPS वेबसाइट पर प्रकाशित किया गया है। योग्यता और अन्य नियमों व शर्तों के बारे में जानकारी के लिए, कृपया IREPS वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** देखें। इस टेंडर के लिए मैनुअल ऑफर स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

क्रम संख्या	निविदा संख्या	कार्य का नाम	निविदा की तिथि	
			समाप्ति तिथि	खुलने की तिथि
1	202647 2212297	आईसीएफ पीएलएम सिस्टम का Teamcenter पर माइग्रेशन	07.08.2026 को 15.00 बजे	07.08.2026 को 15:00 बजे के बाद।

सवारी डिब्बा कारखाना
चेन्नै - 600 038

निविदा सूचना संख्या 202647221229

यह ई- निविदा IREPS वेबसाइट पर प्रकाशित किया गया है। योग्यता और अन्य नियमों व शर्तों के बारे में जानकारी के लिए, कृपया IREPS वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** देखें। इस टेंडर के लिए मैनुअल ऑफर स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

क्रम संख्या	निविदा संख्या	कार्य का नाम	निविदा की तिथि	
			समाप्ति तिथि	खुलने की तिथि
1	202647 2212299	वंदे भारत स्लीपर ट्रेनसेट का इंटीरियर डिजाइन	07.08.2026 को 15.00 बजे	07.08.2026 को 15:00 बजे के बाद।

सवारी डिब्बा कारखाना
चेन्नै - 600 038

निम्नलिखित ई-निविदा आईआरईपीएस वेबसाइट पर प्रकाशित की गई है। फर्मों से अनुरोध है कि वे **www.ireps.gov.in** पर लॉगिन करें और निविदा के लिए अपना कोटेशन प्रस्तुत करे। निविदा के लिए मैनुअल कोटेशन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

खुली निविदा सं.	मदों का संक्षिप्त विवरण	निविदा मूल्य (रु.)	अवधि
202649 9212295	आईसीएफ में फायर फाइटिंग के लिए सेवा अनुबंध।	रु. 2,36,00,281/-	731 कार्यदिवस

निविदा की तिथि	
समाप्ति तिथि	खुलने की तिथि
11.08.2026 को 14.45 बजे	11.08.2026 को 15.00 बजे

उपर्युक्त विज्ञापन का हिंदी संस्करण https://icf.indianrailways.gov.in/. में उपलब्ध है।
मुख्य संरक्षा अधिकारी/फर

सवारी डिब्बा कारखाना
चेन्नै - 600 038

निम्नलिखित ई-निविदा आईआरईपीएस वेबसाइट पर प्रकाशित की गई है। फर्मों से अनुरोध है कि वे **www.ireps.gov.in** पर लॉगिन करें और निविदा के लिए अपना कोटेशन प्रस्तुत करे। निविदा के लिए मैनुअल कोटेशन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

खुली निविदा सं.	मदों का संक्षिप्त विवरण	निविदा मूल्य (रु.)	अवधि
202649 9212296	फर्निशिंग डिवीजन के शॉप 30 में कोचों के मूवमेंट के लिए ड्राइवर, ईंधन और सहायक कर्मचारियों के साथ 3 टन और 5 टन के फोर्क लिफ्ट ट्रक किराए पर लेने के लिए सेवा अनुबंध।	रु. 6,05,19,986/-	580 कार्यदिवस

निविदा की तिथि	
समाप्ति तिथि	खुलने की तिथि
11.08.2026 को 14.45 बजे	11.08.2026 को 15.00 बजे

उपर्युक्त विज्ञापन का हिंदी संस्करण https://icf.indianrailways.gov.in/. में उपलब्ध है।
मुख्य संरक्षा अधिकारी/फर

पुताई का काम करने वाले छात्र ने नीट में 99.16 'पर्सेंटाइल' हासिल किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान में बूंदी जिले के 19 वर्षीय सूरज सैनी की जिंदगी में बृहस्पतिवार रात उस समय उम्मीद की नयी किरण जगी, जब राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के नतीजे घोषित किए गए। गुजर-बसर के लिए वर्षों से रंगाई-पुताई का काम करने वाले सूरज ने नीट में 99.16 'पर्सेंटाइल' हासिल किए, जिससे उसके मेडिकल कॉलेज में दाखिला लेने और डॉक्टर बनने की राह खुल गई और अब वह 'ब्रश' की जगह आला थामे नजर आएगा। कापरेन कस्बे के रहने वाले सूरज ने नीट में 583 अंकों के साथ अखिल भारतीय स्तर पर 16,569वीं और अन्य पिछला वर्ग (ओबीसी) श्रेणी में 7,800वीं रैंक हासिल की, जिससे उसे किसी प्रतिष्ठित सरकारी मेडिकल कॉलेज में आसानी से दाखिला मिल सकेगा।

कोटा स्थित 'एलन करियर इंस्टिट्यूट' के छात्र सूरज के लिए यह उपलब्धि सिर्फ एक शैक्षणिक उपलब्धि नहीं, बल्कि संघर्षों से भरे बचपन से निकलकर नए जीवन की ओर बढ़ाया गया एक बड़ा कदम है। आर्थिक तंगी और माता-पिता के अलगाव जैसी कठिन परिस्थितियों के बावजूद उसने यह मुकाम हासिल किया। सूरज की कहानी कठिन संघर्ष, अटूट हौसले और बेहतर जीवन हासिल करने के अथक प्रयासों की मिसाल है। सूरज अपनी मां घीसी बाई और छोटी बहन गरिमा के साथ रहता है। घीसी बाई खेतिहर मजदूर हैं, जबकि गरिमा को आर्थिक तंगी के कारण पढ़ाई बीच में ही छोड़नी पड़ी। सूरज के पिता परिवार से अलग रहते हैं।

सूरज ने कक्षा आठ तक की पढ़ाई कापरेन के एक सरकारी स्कूल से की। माता-पिता के अलगाव के बाद वह अपनी मां और बहन के साथ तालेड़ा क्षेत्र के अलकोदिया गांव स्थित अपने ननिहाल में रहने लगा। वहीं, उसने स्थानीय स्कूल में कक्षा नौ में दाखिला लिया और मन लगाकर पढ़ाई की। उसने कक्षा 10 में 87 फीसदी और कक्षा 12 में 85 फीसदी अंक हासिल किए। जोधपुर के स्वास्थ्य विभाग में एएनएम के पद पर कार्यरत अपनी मौसी से प्रेरित होकर उसने जीव विज्ञान विषय चुना और डॉक्टर बनने का सपना देखा।

हालांकि, परिवार के लिए रोजमर्रा के खर्च पूरे करना लगातार एक बड़ी चुनौती बना हुआ था। विपरीत परिस्थितियों के आगे हार मानने के बजाय सूरज ने जिम्मेदारी उठाई और अपने मामा के मार्गदर्शन में रंगाई-पुताई का काम सीखा। वह छुट्टियों के दिन और स्कूल के बाद के समय में पुताई का काम करता था, ताकि घर का खर्च चलाने में मां की मदद कर सके। सूरज के मुताबिक, बचपन में अपनी मां को दिनभर खेतों में पसीना बहाता देख उसे डॉक्टर बनने के लिए कड़ी मेहनत करने की प्रेरणा मिली। उसने कहा, मैं अपने परिवार को गरीबी और मुश्किल हालात से बाहर निकालना चाहता था। हमारी आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण मेरी बहन को पढ़ाई बीच में ही छोड़नी पड़ी, लेकिन अब मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि वह अपनी शिक्षा दोबारा शुरू करे।

सूरज ने कहा, मेरी मां ने खेतों में मजदूरी करके और मुझे पुताई के काम से मिलने वाले पैसे बचाए। कुछ साल पहले हमने अलकोदिया गांव में दो कमरों और बरामदे वाला खुद का घर बनाया। मैंने पूरे घर की पुताई खुद की। सूरज के अनुसार, कोटा के 'एलन करियर इंस्टिट्यूट' और 'एलएन माहेश्वरी परमार्थ ट्रस्ट' के शिक्षा संबल कार्यक्रम के बिना वह इस परीक्षा में इतनी बड़ी सफलता हासिल नहीं कर पाता। इस योजना के तहत जरूरतमंद और वंचित छात्रों को नि:शुल्क कोचिंग के साथ रहने की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई।

उसने 2024 में कक्षा 12 की पढ़ाई के दौरान पहली बार नीट परीक्षा दी। इसके बाद उसने एक साल तक घर पर खुद से पढ़ाई की और वर्ष 2025 में फिर से परीक्षा दी। लेकिन सूरज के जीवन में असली बदलाव तब आया, जब उसका चयन 'एलन करियर इंस्टिट्यूट' के शिक्षा संबल कार्यक्रम के लिए हुआ। 2026 में अपने तीसरे प्रयास में उसने नीट सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर ली। 'एलन करियर इंस्टिट्यूट' के निदेशक और 'एलएन माहेश्वरी परमार्थ ट्रस्ट' के ट्रस्टी नवीन माहेश्वरी ने कहा, हिंदी माध्यम के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्र अक्सर अवसरों और संसाधनों की कमी के कारण पीछे रह जाते हैं। हमने यह कार्यक्रम खासतौर पर ऐसे छात्रों के लिए ही शुरू किया था।

ड्यूटी के दौरान महिला थाने के एएसआई की मौत

जयपुर। राजस्थान के दौसा जिले में महिला थाने में तैनात एक सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) की ड्यूटी के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। महिला थाने के प्रभारी राजेश कुमार ने बताया कि शनिवार रात थाने में रात्रिकालीन अधिकारी (नाइट ऑफिसर) के रूप में ड्यूटी कर रहे एएसआई गिरधारी लाल मीणा (56) ने सांस लेने में तकलीफ और बेचैनी की शिकायत की। उन्होंने बताया, कुछ ही देर में उनकी हालत और बिगड़ गई तथा वह बेहोश हो गए। उन्हें तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अधिकारियों के अनुसार प्रथम दृष्टया उनकी मौत का कारण दिल का दौरा पड़ना माना जा रहा है। हालांकि, मृत्यु के सही कारण का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। अलवर जिले के हमीरपुर गांव के निवासी मीणा करीब 35 वर्षों से पुलिस विभाग में सेवाएं दे रहे थे। उनके परिवार में एक पुत्र और तीन पुत्रियां हैं। अधिकारियों ने बताया कि रविवार सुबह पोस्टमार्टम कराया गया। इसके बाद पुलिस अधिकारियों ने दिवंगत एएसआई को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनका शव परिजनों को सौंप दिया। परिजन अंतिम संस्कार के लिए शव को उनके पैतृक गांव ले गए।

सभी अस्पताल आवश्यक स्टेंडर्ड प्रोटोकॉल्स की सख्ती से पालना करें : श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि प्रत्येक उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिला की नामवार लिस्ट तैयार करें। साथ ही एएनएम तथा सीएचओ को प्रत्येक हाईरिस्क गर्भवती महिला के साथ नियमित मॉनिटरिंग के लिए अटैच करें। आवश्यकता होने पर रेफरल सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करें। उन्होंने प्रदेशभर के सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों एवं जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारियों को सोमवार को सुबह एएनएम की बैठक लेकर लाईनलिस्ट और उसके कारणों की समीक्षा के निर्देश दिए। ताकि समय रहते आवश्यक इंटरवेंशन किया जा सके। मुख्य सचिव ने रविवार को स्वास्थ्य भवन में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य गतिविधियों की विस्तार से जानकारी ली एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों के अधीक्षकों एवं गायनी विभागाध्यक्षों को पिछले 24 घंटों में सामान्य व सिजेरियन प्रसव एवं उनकी वर्तमान हालत के बारे में जानकारी ली एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

वी. श्रीनिवास ने कहा कि प्रत्येक चिकित्सालय में प्रसव सहित विभिन्न ऑपरेशन्स के लिए स्टेंडर्ड ऑपरेशन प्रोसीजर्स की पालना सुनिश्चित करें। इस दौरान विभिन्न चिकित्सा विशेषज्ञों ने लेबर रूम प्रोटोकॉल, इंफेक्शन कंट्रोल, एनस्थीसिया, बोयोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट, कोल्ड चैन मैनेजमेंट, रैफरल प्रोटोकॉल आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने प्रदेश के सभी अस्पतालों में आवश्यक प्रोटोकॉल्स की सख्ती से पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने प्रसव के बाद अगले 24 घंटे धात्री महिला की इंटेसिव निगरानी रखने एवं उसके पोषण का समुचित रूप से ध्यान रखने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने कहा कि चिकित्सा विभाग द्वारा संचालित किए गए अभियान में विभिन्न गतिविधियां संचालित की गयी हैं। जुलाई माह में सीकर, नागौर, जालौर, बांसवाड़ा एवं चूरू जिले में सबसे अधिक उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाएं चिन्हित की गयी हैं। उन्होंने कहा कि जिन गर्भवती महिलाओं के सीवियर एनीमिया है और जिनकी ड्यू डेट आने वाली है, उन्हें अगले आवश्यकता अनुसार ब्लड ट्रांस्फ्यूजन या एफसीएम इंजेक्शन या अल्टरनेट दिवस में आयरन शुक्रोज इंसर्शन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि उन्हें माईल्ड या सामान्य स्थिति में लाया जा सके। उन्होंने कहा कि किसी भी जिले में 6 ग्राम या इससे कम हीमोग्लोबिन और कोई उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की नामवार जानकारी एएनएम के साथ-साथ जिले के आरसीएचओ एवं सीएमएचओ द्वारा रखी जाए। इन गर्भवती महिलाओं के सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित करने के लिए संबंधित एएनएम द्वारा प्रत्येक तीसरे दिन जांच की जानी आवश्यक है।

प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य श्रीमती गायत्री राठौड़ ने कहा कि गर्भवती महिलाओं के सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित करने के लिए प्रसव नियोजन जैसे उनकी स्वास्थ्य स्थिति के मुताबिक आवश्यक अस्पताल का चयन, प्रसव की तिथि की जानकारी एवं रेफरल जैसी व्यवस्थाओं का समुचित प्रबंधन करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि यह भी ध्यान रखा जाए कि गर्भवती महिला के ममता कार्ड पर पूर्ण एवं सही जानकारी स्पष्ट भाषा में अंकित की जानी आवश्यक है। बैठक में आयुक्त चिकित्सा शिक्षा बाबूलाल गोयल, प्राचार्य एसएमएस मेडिकल कॉलेज डॉ. दीपक माहेश्वरी, निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा, अतिरिक्त मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. टी. शुभमंगला, निदेशक आरसीएच डॉ. मधु रतेश्वर सहित संबंधित अधिकारीगण मौजूद थे।

दो वर्षों में राज्यसभा सदस्यों के वेतन-भत्तों व सुविधाओं पर 262 करोड़ रुपये से अधिक खर्च : आरटीआई

जयपुर। राज्यसभा के सभी मौजूदा सदस्यों के वेतन, भत्तों और विभिन्न सुविधाओं पर पिछले दो वित्त वर्षों 2024-25 और 2025-26 के दौरान 262 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए गए। इनमें से 151 करोड़ रुपये से अधिक राशि केवल भत्तों और यात्रा मद पर व्यय की गई। यह जानकारी सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत प्राप्त जवाब में सामने आई है। आरटीआई के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में राज्यसभा सदस्यों पर सरकारी खजाने से 98 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए गए, जबकि 2025-26 में यह राशि बढ़कर 163 करोड़ रुपये से अधिक हो गई। इस प्रकार खर्च में लगभग 65 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की गई।

इस खर्च में घरेलू और विदेशी यात्राएं, कार्यालय व्यय तथा चिकित्सा बिल भी शामिल हैं। आरटीआई जवाब के अनुसार, वर्ष 2024-25 में राज्यसभा सदस्यों के वेतन पर 25.71 करोड़ रुपये से अधिक, चिकित्सा बिलों पर 8.20 करोड़ रुपये, यात्रा व्यय पर 24.99 करोड़ रुपये और भत्तों पर 33.33 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए गए। वहीं, वर्ष 2025-26 में वेतन पर 44.60 करोड़ रुपये से अधिक, चिकित्सा बिलों पर 9.60 करोड़ रुपये, यात्रा व्यय पर 36 करोड़ रुपये तथा भत्तों पर 58.78 करोड़ रुपये से अधिक खर्च हुए। यह जानकारी राज्यसभा सचिवालय ने आरटीआई आवेदक चंद्रशेखर गौर द्वारा दायर आवेदन के जवाब में उपलब्ध कराई। जवाब के अनुसार, राज्यसभा सदस्य 21 विभिन्न मदों के तहत सुविधाओं और भुगतान के पात्र हैं।

धार्मिक स्थलों के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही राज्य सरकार : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित भव्य हनुमान कथा का श्रद्धापूर्वक श्रवण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि स्वामी गोविन्द देव गिरी जी महाराज जैसे संतों के सान्निध्य में होने वाले धार्मिक आयोजन समाज में सकारात्मकता और उच्च संस्कारों का संचार करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश आज अमृत काल में है और दुनिया के अग्रणी राष्ट्रों के रूप में उभर रहा है। स्वामी विवेकानंद जी ने जिस सांस्कृतिक वैभव का सपना देखा था, आज हमारी संस्कृति उसी रूप में पूरी दुनिया में अपनी पहचान बना रही है। उन्होंने कहा कि भव्य राम मंदिर का निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल लोक और बद्रीनाथ-केदारनाथ धाम का जीर्णोद्धार नए भारत की सांस्कृतिक चेतना के प्रतीक हैं। मुख्यमंत्री ने 22 जनवरी के ऐतिहासिक दिन को याद करते हुए कहा कि लंबे इंतजार के बाद जब प्रभु राम की प्राण-प्रतिष्ठा हुई, तो पूरी दुनिया उस पल की साक्षी बनी।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की समृद्ध संस्कृति और विरासत के संरक्षण का कार्य निरन्तर कर रही है। खाटूश्याम जी, गिरराज जी और पुष्कर के ब्रह्मा मंदिर सहित प्रमुख धार्मिक केंद्रों के विकास के लिए सरकार काम कर रही है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री का वैदिक परंपरा के अनुरूप मंत्रोच्चार के साथ स्वागत किया गया। इस दौरान उन्होंने चारों वेद ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद एवं अथर्ववेद का वाचन कर रहे बटुकों के वैदिक मंत्रोच्चार का श्रवण किया। हनुमान कथा के दौरान उपस्थित श्रद्धालु भक्तिभाव में सराबोर नजर आए। इस अवसर पर विधायक बालमुकुंद आचार्य, ठाकुर गोविन्ददेव चतुर्वेद विद्यापीठ के न्यासी संदीप झंवर सहित अन्य पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सनातन संस्कृति इतिहास से भावी पीढ़ी को मिलेगी प्रेरणा : दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जोधपुर जिला प्रभारी मंत्री एवं शिक्षा (विद्यालयी/संस्कृत) तथा पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर रविवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बिराई (भोपालगढ़) में आयोजित 'भारतीय सनातन संस्कृति पुनरुत्थान भवन' के लोकार्पण समारोह में शामिल हुए। समारोह में सतगुरु स्वामी सुंदरदासजी महाराज, पाली सांसद पी.पी. चौधरी, जोधपुर शहर विधायक अतुल भंसाली, ओसियां विधायक भैराराम सियोल, उपस्थित रहे। जिला प्रभारी मंत्री मदन दिलावर ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि बिराई आकर वे अभिभूत हैं। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट द्वारा निरंतर जनकल्याण के कार्य किए जा रहे हैं। क्षेत्र में किसी भी प्रकार का संकट अथवा परेशानी आने पर यह ट्रस्ट सदैव आगे बढ़कर जरूरतमंदों की सहायता करता है।

समाज के प्रति ट्रस्ट की सेवा भावना और जनकल्याणकारी गतिविधियां सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्रवासियों को सुंदरदासजी महाराज का निरंतर आशीर्वाद प्राप्त हो रहा है। संतों के मार्गदर्शन और आशीर्वाद से समाज में सेवा, सद्भाव, संस्कार और मानवीय मूल्यों को मजबूती मिलती है।

दिलावर ने कहा कि अनंत सुखरामजी ट्रस्ट द्वारा भव्य 'भारतीय सनातन संस्कृति पुनरुत्थान भवन' का निर्माण किया गया है। यह भवन वर्तमान और भावी पीढ़ियों को भारत के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति, परंपराओं तथा सनातन जीवन मूल्यों से परिचित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

शिक्षा मंत्री ने गांवों में सफाई व्यवस्था का किया औचक निरीक्षण

जयपुर/दक्षिण भारत । शिक्षा (विद्यालयी/संस्कृत) एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने रविवार को जोधपुर से बिराई गांव जाते समय बावड़ी पंचायत समिति क्षेत्र के विभिन्न गांवों में सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने गांवों में सार्वजनिक स्थानों, मुख्य मार्गों तथा आबादी क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था का अवलोकन करते हुए ग्रामीणों से पंचायत स्तर पर की जा रही नियमित सफाई और कचरा संग्रहण व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली। दिलावर ने सर्वप्रथम ग्राम पंचायत भवात के गांव भवात में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने गांव में पंचायत द्वारा प्रतिदिन करवाई जा रही सफाई, घरों एवं सार्वजनिक स्थानों से कचरा एकत्रित करने तथा उसके समुचित निस्तारण के संबंध में ग्रामीणों से संवाद किया।

उन्होंने ग्रामीणों से पूछा कि पंचायत की ओर से सफाईकर्मी नियमित रूप से गांव में आते हैं अथवा नहीं तथा घरों और गलियों से कचरा संग्रहण की व्यवस्था निर्धारित समय पर संचालित हो रही है या नहीं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों

में स्वच्छता व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए नियमित सफाई के साथ-साथ कचरे का समयबद्ध संग्रहण और सुरक्षित निस्तारण आवश्यक है।

इसके पश्चात पंचायती राज मंत्री ने ग्राम पंचायत गंगाणी के गांव गंगाणी में सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने ग्रामीणों से पंचायत द्वारा प्रतिदिन सफाई करवाने, गलियों और सार्वजनिक स्थानों से कचरा उठाने तथा गांव में स्वच्छता बनाए रखने के लिए की जा रही व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतें सफाई व्यवस्था की नियमित निगरानी सुनिश्चित करें तथा सार्वजनिक स्थानों, मुख्य मार्गों और आबादी क्षेत्रों में कचरा एकत्रित नहीं होने दिया जाए। सफाई कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए और निर्धारित व्यवस्था के अनुसार प्रतिदिन कचरा संग्रहण सुनिश्चित किया जाए।

दिलावर ने ग्राम सेवकी कलां में भी सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने गांव में सफाई की स्थिति देखते हुए ग्रामीणों से प्रतिदिन सफाई एवं कचरा संग्रहण व्यवस्था के संबंध में फीडबैक लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों को निर्देश दिए कि गांवों में सफाई व्यवस्था को नियमित, प्रभावी और परिणामपरक बनाया जाए। सफाईकर्मियों की उपस्थिति एवं कार्यों की नियमित निगरानी की जाए तथा गांवों से एकत्रित कचरे का निर्धारित स्थान पर समुचित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

समय से पहले जन्मे बच्चों में गंभीर जोखिम की शीघ्र पहचान में कारगर है 'क्रिब-2' स्कोर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सवाई मानसिंह (एसएमएस) मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों के एक अध्ययन में पाया गया है कि एक सरल स्कोरिंग प्रणाली समय से पहले जन्मे और कम वजन वाले नवजात शिशुओं में गंभीर स्वास्थ्य जोखिम की शीघ्र पहचान करने तथा उनके जीवित रहने की संभावना बढ़ाने में मददगार हो सकती है। जयपुर के जेके लोन अस्पताल में समय से पहले जन्मे 181 नवजात शिशुओं पर किए गए इस अध्ययन में अस्पताल में भर्ती के तुरंत बाद उनकी स्वास्थ्य स्थिति का आकलन करने के लिए 'क्रिब-2' (क्लीनिकल रिस्क इंडेक्स फॉर बेबीज-2) स्कोर की उपयोगिता रेखांकित की गई है। अध्ययन के निष्कर्ष 'इंटरनेशनल जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक रिसर्च' में प्रकाशित हुए हैं।

अध्ययन से जुड़े बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. योगेश यादव ने कहा कि इस स्कोर के जरिए शुरुआती आकलन उपचार संबंधी निर्णय लेने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा, यदि भर्ती के समय ही 'क्रिब-2' स्कोर की गणना कर ली जाए, तो नवजात की स्थिति की गंभीरता का पता चल जाता है। इससे चिकित्सकों को शुरुआती चरण में ही सही उपचार रणनीति तय करने में मदद मिलती है और बच्चे को बचाने की संभावना बढ़ जाती है।

अध्ययन में पाया गया कि जिन नवजातों का 'क्रिब-2' स्कोर अधिक था, उनमें मृत्यु का जोखिम भी अधिक था। अध्ययन में शामिल शिशुओं की औसत गर्भकाल अवधि लगभग 28.88 सप्ताह थी, जबकि उनका औसत जन्म वजन 1.01 किलोग्राम था, जो सामान्य से काफी कम है। डॉ. यादव ने स्कोरिंग प्रणाली की व्याख्या

करते हुए कहा, शून्य से पांच अंक का अर्थ कम जोखिम, छह से 10 अंक मध्यम जोखिम, 11 से 15 अंक उच्च जोखिम और 15 से अधिक अंक अत्यधिक उच्च जोखिम को दर्शाते हैं। स्कोर जितना अधिक होगा, गंभीर बीमारी और मृत्यु का खतरा उतना ही अधिक होगा।उन्होंने बताया कि 'क्रिब-2' स्कोर पांच मानकों पर आधारित है- जन्म के समय वजन, गर्भकाल अवधि, भर्ती के समय शरीर का तापमान, रक्त में अम्लीयता (एसिड स्तर) और नवजात का लिंग। डॉ. यादव ने कहा, 'क्रिब-2' केवल मृत्यु के जोखिम का अनुमान लगाने वाला स्कोर नहीं है, बल्कि नवजात गहन चिकित्सा इकाई (एनआईसीयू) में उपचार संबंधी निर्णय लेने का एक महत्वपूर्ण वैज्ञानिक उपकरण है। शुरुआती कुछ घंटों में ही इससे यह पहचान की जा सकती है कि कौन-सा नवजात अधिक जोखिम में है। उन्होंने कहा कि यह प्रणाली विशेष रूप से उन परिस्थितियों में अधिक उपयोगी है, जहां चिकित्सा संसाधन सीमित हों। उन्होंने कहा, जब बिस्तर, वेंटिलेटर या प्रशिक्षित चिकित्सा कर्मियों की संख्या सीमित हो, तब अधिक 'क्रिब-2' स्कोर वाले नवजातों को एनआईसीयू में प्राथमिकता दी जा सकती है। यह यह तय करने में भी मदद करता है कि किन नवजातों को तत्काल उच्च स्तरीय चिकित्सा केंद्रों में रेफर किए जाने की आवश्यकता है।

डॉ. यादव ने कहा कि यह स्कोर चिकित्सकों को नवजात के परिजनों के साथ बेहतर संवाद स्थापित करने में भी मदद करता है। उन्होंने कहा, 'क्रिब-2' के माध्यम से हम अभिभावकों को बच्चे की स्थिति, संभावित परिणाम और उपचार की आवश्यकता के बारे में अधिक स्पष्ट और सटीक जानकारी दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत जैसे सीमित संसाधनों वाले देश में 'क्रिब-2' का नियमित उपयोग नवजात शिशुओं की देखभाल की गुणवत्ता में सुधार ला सकता है और मृत्यु दर कम करने में सहायक हो सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि समय से पहले जन्म भारत में नवजात शिशुओं की मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक है। ऐसे में 'क्रिब-2' जैसे सरल और विश्वसनीय उपकरणों का उपयोग समय पर उपचार सुनिश्चित करने और बेहतर परिणाम हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

सर्वदलीय बैठक : विपक्ष की राम मंदिर समेत कई विषयों पर चर्चा की मांग, सरकार ने की सहयोग की अपील

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विपक्षी दलों ने संसद का मानसून सत्र शुरू होने से एक दिन पहले रविवार को हुई सर्वदलीय बैठक में राम मंदिर से चढ़ावे की कथित चोरी, पेपर लीक, एथनॉल और कई अन्य विषयों पर चर्चा की मांग उठाई, जबकि सरकार ने उनसे दोनों सदनों की कार्यवाही सुचारू रूप से चलने देने की अपील करते हुए कहा कि हंगामे से सिर्फ देश का नहीं, बल्कि ऐसा करने वाली पार्टियों को भी नुकसान होता है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि सत्र के लिए आठ विधेयकों को सूचीबद्ध किया गया और यदि कोई अतिरिक्त विधायी कामकाज होगा, उस बारे में कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) में चर्चा होगी तथा राजनीतिक दलों को सूचित किया जाएगा। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और कई अन्य विपक्षी दलों ने दो टूक कहा कि वे महिला आरक्षण के पक्ष में हैं, लेकिन वे इसकी आड़ में किए जाने वाले परिसीमन के किसी भी प्रयास का विरोध करेंगे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई इस बैठक की शुरुआत में तृणमूल कांग्रेस और शिवसेना (उबाठा) में बगावत से संबंधित मामलों को लेकर ''संपूर्ण विपक्ष'' ने बैठक से कुछ देर के लिए बहिर्गमन किया। विपक्ष का कहना था कि तृणमूल कांग्रेस के 20 सांसदों की बगावत के मामले में अंतिम निर्णय अभी लंबित है तो फिर इस गुट को ''नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया' (एनसीपीआई) के रूप में बैठक में आमंत्रित किया जाना उचित नहीं है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को शिवसेना (उबाठा) के छह बागी सांसदों के महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में विलय को मंजूरी दे दी। साथ ही, कम चर्चित राजनीतिक दल एनसीपीआई में शामिल हुए तृणमूल कांग्रेस के 20 बागी सांसदों के लिए लोकसभा में अलग बैठने की व्यवस्था को भी स्वीकृति प्रदान कर दी। सर्वदलीय बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू, कांग्रेस

नेता जयराम रमेश, गौरव गोगोई, प्रमोद तिवारी और कोडिकुनिल सुरेश, समाजवादी पार्टी के धर्मेंद्र यादव और कई अन्य दलों के नेता शामिल हुए। विपक्षी दलों ने बैठक में राम मंदिर के चढ़ावे में कथित हेराफेरी, जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को अनशन स्थल से हटाए जाने, विदेश नीति, पेपर लीक, मणिपुर की स्थिति, निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली तथा कुछ अन्य विषय उठाए।

सर्वदलीय बैठक के बाद रीजीजू ने कहा कि सभी राजनीतिक दलों को संसद के मानसून सत्र के दौरान सरकार द्वारा लाए जाने वाले विधेयकों को सार्थक चर्चा के साथ पारित करना चाहिए। रीजीजू ने एनसीपीआई में शामिल होने की घोषणा करने वाले तृणमूल कांग्रेस के 20 सांसदों वाले गुट को बैठक में बुलाने के फैसले को उचित करार देते हुए कहा कि इस समूह ने लोकसभा अध्यक्ष से अलग बैठने की व्यवस्था का आग्रह किया है और ऐसे में इतने सदस्यों को वह बैठक से कैसे दूर रख सकते थे। उन्होंने इस विषय को लेकर विपक्षी दलों के बैठक से कुछ देर के लिए बहिर्गमन करने को लेकर कहा कि यह उनका अधिकार है और यह एक तकनीकी तथा सांकेतिक विरोध था। उन्होंने उम्मीद जताई कि विपक्ष संसद को सुचारू रूप से चलने देगा।

रीजीजू ने कहा, ''विभिन्न राजनीतिक दलों ने अपनी बात रखी और कई सुझाव दिए, जिन्हें सरकार ने नोट किया है।'' मंत्री ने कहा, ''सर्वदलीय बैठक में अलग-अलग मत होते हैं। मैं सभी दलों के नेताओं से आग्रह करता हूं कि संसद सत्र में जो विधेयक सरकार लेकर आएगी, उन पर सहयोग करें और सार्थक चर्चा के साथ उन्हें पारित करें।'' राजनीतिक दल अगर चर्चा से दूर रहकर हंगामा करते हैं तो उन्हें राजनीतिक लाभ नहीं मिलता और यह बात साबित हो चुकी है। मानसून सत्र के लिए विधायी कामकाज का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि फिलहाल आठ विधेयकों की सूची बुलेटिन के माध्यम से दी गई है। इसके अलावा यदि कोई विधेयक लाया जाता है तो कार्य मंत्रणा समिति में चर्चा के बाद उसे लाया जाएगा। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने कहा कि विपक्ष ने सरकार द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में संसद के आगामी मानसून सत्र के दौरान अयोध्या राम मंदिर ''चंदा चोरी'', एथनॉल, छात्रों से जुड़े मुद्दों और मणिपुर की स्थिति पर चर्चा की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि सरकार इन विषयों पर चर्चा से भागती है तो उसे भारी नुकसान उठाना पड़ेगा।

अभिषेक बनर्जी के कार्यालय को गिराने के मामले में यथास्थिति बनाए रखने का आदेश

कोलकाता/भाषा। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी के डायमंड हार्बर निर्वाचन क्षेत्र कार्यालय को गिराने के मामले में यथास्थिति बनाए रखने का रविवार को आदेश दिया। न्यायमूर्ति राजा बासु चौधरी ने रविवार को विशेष सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को अमतला स्थित इमारत से जुड़े सभी दस्तावेज जमा करने का निर्देश दिया। बताया जा रहा है कि इस इमारत का स्वामित्व 'लीप्स एंड बाउंड्स' कंपनी के पास है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मुताबिक, तृणमूल नेता अभिषेक 'लीप्स एंड बाउंड्स' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) हैं।

अदालत ने डायमंड हार्बर रोड स्थित इमारत को तोड़े जाने की कार्रवाई पर जुलाई के अंत तक यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश दिया। उसने कहा कि इस मामले की नियमित पीठ के समक्ष दोबारा सुनवाई की जाएगी। 'लीप्स एंड बाउंड्स' ने इमारत को गिराए जाने की कार्रवाई को उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, दक्षिण 24 परगना जिला प्रशासन ने अभिषेक के अमतला स्थित कार्यालय को तोड़ने की कार्रवाई शनिवार को शुरू की थी। उन्होंने बताया कि प्रशासन का कहना है कि यह इमारत कथित तौर पर स्वीकृत भवन योजना के बिना और लागू नियमों का उल्लंघन करके बनाई गई थी। अभिषेक ने इमारत को अपना निर्वाचन क्षेत्र कार्यालय बताते हुए शनिवार को दावा किया था कि अमतला स्थित उनका कार्यालय खरीदी गई जमीन पर कानूनी रूप से बनाया गया है और इसके लिए सभी जरूरी अनुमतियां भी ली गई थीं।

अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बैठक 22 जुलाई को होगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/भाषा। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मामले के बीच श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट इस महीने 22 जुलाई को एक बैठक करेगा। इस महीने ट्रस्ट की यह दूसरी बैठक होगी। ट्रस्ट के महासचिव कृष्ण मोहन के अनुसार, राम मंदिर परिसर में अपराह्न तीन बजे एक विशेष बैठक आयोजित की जाएगी। इसके बाद अपराह्न चार बजे ट्रस्ट के अध्यक्ष नृत्य गोपाल दास के आवास मणिराम छावनी में नियमित बैठक होगी। इसके पहले छह जुलाई को ट्रस्ट की बैठक हुई थी। कृष्ण मोहन ने सात जुलाई को ट्रस्टियों को भेजे गए पत्र में बैठक का एजेंडा साझा किया था। इसके अनुसार, 22 जुलाई की बैठक में छह जुलाई को हुई ट्रस्ट की बैठक और उसी दिन अपराह्न तीन बजे आयोजित विशेष बैठक की कार्यवाही की पुष्टि की जाएगी।

बैठक में ट्रस्ट के नियमों के अनुरूप विभिन्न समितियों के पुनर्गठन पर भी चर्चा होगी। इसके अलावा, यदि तब तक उपलब्ध हो जाती है तो चढ़ावा चोरी मामले की जांच कर रही विशेष जांच दल (एसआईटी) की

अंतिम रिपोर्ट पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। छह जुलाई को हुई बैठक चढ़ावे की कथित चोरी का मामला सामने आने के बाद ट्रस्ट की पहली बैठक थी। उस बैठक में ट्रस्ट ने ट्रस्ट डीड में संशोधन की सिफारिश करने के लिए एक विशेष समिति गठित की थी। साथ ही श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाई जाने वाली भेंट के रखरखाव, मूल्यांकन और निस्तारण के संबंध में दिशा-निर्देश भी तय किए गए थे। यह बैठक पहले मणिराम छावनी में आयोजित होने वाली थी, लेकिन बाद में इसे राम मंदिर परिसर में स्थानांतरित कर दिया गया था। एसआईटी की अंतिम रिपोर्ट पर प्रस्तावित चर्चा को महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि राज्य सरकार ने मंदिर में प्राप्त चढ़ावे की कथित चोरी की जांच के आदेश दिए हैं। इस विवाद के बाद प्रशासनिक और कानूनी स्तर पर कार्रवाई शुरू हो चुकी है और जांच की प्रगति ट्रस्ट की बैठक का प्रमुख मुद्दा रहने की संभावना है।

भारत को नए दल-बदल रोधी कानून की जरूरत है : कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी

चंडीगढ़/भाषा। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी का कहना है कि सोमवार से शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र की सर्वोच्च प्राथमिकता सभी अन्य कार्यों को स्थगित कर नया दल-बदल रोधी कानून लाने की आवश्यकता पर चर्चा करना होना चाहिए। चंडीगढ़ से सांसद तिवारी ने रविवार को कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में जनता ने जो जनादेश दिया था, अब लोकसभा की वर्तमान संरचना उसके अनुरूप नहीं रह गई है। उन्होंने कहा, देखिए, मूल बात यह है कि 2024 में जनता ने एक जनादेश दिया था और उसी के अनुरूप लोकसभा का गठन हुआ था। आज, दो साल बाद, लोकसभा की संरचना उस जनादेश के अनुरूप नहीं रह गई है। यह जनता के जनादेश के विपरीत है।

तिवारी ने कहा कि मानसून सत्र की सबसे बड़ी प्राथमिकता यह होनी चाहिए कि संसद अन्य सभी काम रोककर इस बात पर विचार करे कि क्या नए दल-बदल रोधी कानून की आवश्यकता है।

उच्च न्यायालय ने वांगचुक को निजी अस्पताल में स्थानांतरित करने की अनुमति देने से इनकार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने रविवार को जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के सफदरजंग अस्पताल में जारी इलाज के मामले में दखल देने से इनकार कर दिया।

न्यायमूर्ति मिनी पुष्करणा ने कहा कि इस चरण में सोनम वांगचुक को निजी अस्पताल में स्थानांतरित करने संबंधी उनकी पत्नी गीतांजलि जे. आंग्मो की याचिका पर किसी अंतरिम आदेश की आवश्यकता नहीं है। मामले की अगली सुनवाई 24 जुलाई को होगी। शनिवार को भूख हड़ताल के 21वें दिन दिल्ली पुलिस वांगचुक को जंतर-मंतर से सफदरजंग अस्पताल ले गई थी। वांगचुक 28 जून से नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं और परीक्षा रद्द होने के बाद कई छात्रों द्वारा आत्महत्या किए जाने के विरोध में भूख हड़ताल कर रहे थे।

रविवार को विशेष सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति पुष्करणा ने कहा कि सफदरजंग अस्पताल के डॉक्टर वांगचुक की लगातार निगरानी कर रहे हैं, और यह नहीं कहा जा सकता कि उनके खिलाफ किसी प्रकार की जबरदस्ती की जा रही है।

न्यायाधीश ने यह भी कहा कि सरकार द्वारा वांगचुक को जंतर-मंतर से हटाकर सफदरजंग अस्पताल ले जाए जाने की कार्रवाई को मनमाना नहीं कहा जा सकता। दिल्ली उच्च न्यायालय के 16 जुलाई के उस आदेश का संज्ञान लेते हुए, जिसमें अधिकारियों को सोनम वांगचुक के स्वास्थ्य की निगरानी करने और आवश्यकता पड़ने पर चिकित्सकीय हस्तक्षेप करने का निर्देश दिया गया था, न्यायमूर्ति मिनी पुष्करणा ने कहा कि चूंकि वांगचुक स्वयं किसी अस्पताल में भर्ती नहीं हुए थे, इसलिए उनकी स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए सरकार का उन्हें सफदरजंग अस्पताल ले जाना उसके ''अधिकार क्षेत्र'' में था।

अदालत ने कहा, ''चूंकि सरकार ने सोनम वांगचुक की चिकित्सीय स्थिति को देखते हुए उन्हें अस्पताल ले जाने का निर्णय लिया है, इसलिए अदालत इसे मनमानी कार्रवाई नहीं मानती।''

उसने कहा, ''सफदरजंग अस्पताल के डॉक्टर वांगचुक की स्वास्थ्य स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं और उनकी सहमति से उन्हें केवल मौखिक तरल पदार्थ, पोटैशियम क्लोराइड तथा बिना चीनी वाला ओआरएस दिया गया है। ऐसे में यह नहीं कहा जा सकता कि उनके साथ किसी प्रकार की जबरदस्ती की जा रही है या उनकी शारीरिक स्वायत्तता का किसी भी तरह उल्लंघन हो रहा है।''

अदालत ने कहा, ''वर्तमान चरण में इस मामले में किसी भी प्रकार का अंतरिम आदेश देने की आवश्यकता नहीं है।'' न्यायमूर्ति पुष्करणा ने यह भी उल्लेख किया कि वांगचुक की पत्नी गीतांजलि आंग्मो, उनके भाई और रिश्तेदारों को उनसे 24 घंटे मिलने की अनुमति दी गई है।

न्यायाधीश ने कहा कि परिवार के सदस्यों को ''अभूतपूर्व तरीके'' से वांगचुक से मिलने की इजाजत दी गई है और उन्हें अस्पताल में एक कमरा भी दिया गया है। न्यायमूर्ति पुष्करणा ने वांगचुक को निजी अस्पताल में स्थानांतरित करने के अनुरोध वाली आंग्मो की याचिका पर केंद्र सरकार, सफदरजंग अस्पताल और दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया तथा उनसे तीन दिनों के भीतर अपना जवाब दाखिल करने को कहा।

खरगे, राहुल ने प्रधानमंत्री से राम मंदिर मामले में स्वतंत्र और व्यापक जांच की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में कथित वित्तीय अनियमितताओं और राम मंदिर से चढ़ावे की कथित चोरी के आरोपों की तत्काल स्वतंत्र एवं व्यापक जांच कराई जाए। कांग्रेस के दोनों शीर्ष नेताओं ने प्रधानमंत्री से ट्रस्ट के वित्तीय मामलों, श्रद्धालुओं से प्राप्त नकदी, सोने और चांदी समेत सभी चढ़ावों के प्रबंधन की जांच कराने तथा जांच के निष्कर्ष और ट्रस्ट के खातों को सार्वजनिक करने का भी आग्रह किया।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने पत्र साझा करते हुए 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''प्रधानमंत्री जी, राम मंदिर में करोड़ों श्रद्धालुओं ने आस्था के साथ अपनी कमाई अर्पित की – वहां हुई चंदा चोरी अब किसी से छुपी नहीं है। ट्रस्ट के हर सदस्य को आपकी सरकार ने चुना था। इस चंदा चोरी पर आपकी चुप्पी अस्वीकार्य है।'' उन्होंने कहा, ''तत्काल स्वतंत्र जांच कराइए, पूरा हिसाब सार्वजनिक कीजिए और दोषियों को कानून के कटघरे में लाइए। आपकी सरकार की विश्वसनीयता अब आपकी कार्रवाई पर निर्भर है।'' कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने इस पत्र का हवाला देते कहा कि अब प्रधानमंत्री को इस मामले पर अपनी चुप्पी तोड़नी चाहिए। उन्होंने कहा, ''यह उचित ही है कि दोनों सदनों के नेता प्रतिपक्ष ने अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से जुड़े चंदा चोरी, आस्था धोखा मामले पर प्रधानमंत्री को पत्र लिखा है। पांच फरवरी, 2020 को लोकसभा में अपनी दुर्लभ उपस्थितियों में से एक के दौरान प्रधानमंत्री ने इस ट्रस्ट की स्थापना की घोषणा करते हुए इसका पूरा श्रेय स्वयं लिया था।'' रमेश का कहना है, ''यही ट्रस्ट आज देशभर के करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास के साथ विश्वासघात कर चुका है। प्रधानमंत्री जी, चुप्पी तोड़िये।'' यह पत्र 18 जुलाई को लिखा गया और इसमें कहा गया, लाखों श्रद्धालुओं ने आस्था और विश्वास के साथ अपनी मेहनत की कमाई मंदिर के लिए दान की है और कथित चोरी के आरोपों से वे खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। खरगे और राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने उच्चतम न्यायालय के निर्देश के बाद संसद में ट्रस्ट के गठन की घोषणा की थी, लेकिन इसके सदस्यों की नियुक्ति सरकार द्वारा की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रस्ट के कई सदस्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस), विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और उनसे जुड़े संगठनों से संबद्ध रहे हैं।

दोनों नेताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री की चुप्पी स्वीकार्य नहीं है और जवाबदेही सुनिश्चित करना तथा श्रद्धालुओं के विश्वास की रक्षा करना उनकी जिम्मेदारी है। पत्र में है कि जांच में दोषी पाए जाने वाले सभी लोगों के खिलाफ, उनके पद या प्रभाव की परवाह किए बिना, कार्रवाई की जानी चाहिए। सरकार और ट्रस्ट की विश्वसनीयता इस बात पर निर्भर करती है कि आप कितनी पारदर्शिता और तत्परता से कार्रवाई करते हैं। देश की जनता देख रही है।

'आप' नेता संजय सिंह ने राज्यसभा में वांगचुक, नीट विवाद पर चर्चा की अनुमति देने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने रविवार को नियम-267 के तहत चर्चा प्रस्ताव का नोटिस देकर संसद के उच्च सदन में दिनभर के निर्धारित कामकाज को स्थगित करके कथित नीट प्रश्नपत्र लीक मामले और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की ओर से उठाई गई मांगों पर चर्चा कराने की मांग की। राज्यसभा के महासचिव को संबोधित अपने नोटिस में सिंह ने कहा कि ये मुद्दे राष्ट्रीय महत्व के हैं और इन पर तत्काल चर्चा की जरूरत है।

उन्होंने सभापति से सदन का नियमित कामकाज स्थगित करने और इन विषयों पर चर्चा की अनुमति देने का आग्रह किया। सिंह ने कहा कि मेडिकल कॉलेज में दाखिले के लिए आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) को लेकर बार-बार सामने आने वाले विवादों ने देश की सार्वजनिक परीक्षा

प्रणाली की विश्वसनीयता को सवालों के घेरे में ला दिया है।

'आप' नेता ने इस मुद्दे को लेकर वांगचुक के अनशन का भी जिक्र किया और कहा कि सामाजिक कार्यकर्ता की स्वास्थ्य स्थिति बिगड़ रही है। जंतर-मंतर पर 20 दिनों से अधिक समय से अनशन कर रहे वांगचुक को दिल्ली पुलिस ने शनिवार को वहां से हटाकर सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया। सिंह ने राज्यसभा सभापति से सदस्यों को सार्वजनिक परीक्षाओं में पारदर्शिता, जवाबदेही और निष्पक्षता को मजबूत करने के उपायों पर चर्चा करने की अनुमति देने का अनुरोध किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने सिंधू को जापान ओपन जीतने पर बधाई दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू को जापान ओपन 2026 का खिताब जीतने पर रविवार को बधाई देते हुए इसे भारतीय बैडमिंटन के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। सिंधू ने रविवार को तोक्यो में खेले गए फाइनल में जीत दर्ज कर जापान ओपन का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स' पर लिखा, भारतीय बैडमिंटन के लिए यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। जापान ओपन 2026 का खिताब जीतने पर पीवी सिंधू को हार्दिक बधाई। पूरे टूर्नामेंट के दौरान उनके दृढ़ संकल्प और शानदार खेल का प्रदर्शन देखने को मिला।

उन्होंने कहा कि सिंधू का इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनना इस उपलब्धि को और भी विशेष बनाता है। प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया कि सिंधू की यह सफलता देशभर के अनगिनत युवा खिलाड़ियों को खेलों में आगे बढ़ने और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगी।

जौहर विश्वविद्यालय को बचाने के लिए आगे आएं लोग : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लोगों से उत्तर प्रदेश के रामपुर स्थित मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय की प्रस्तावित ध्वस्तीकरण कार्रवाई रोकने में सहयोग करने की अपील की है।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार राजनीतिक प्रतिशोध के कारण इस संस्थान को निशाना बना रही है। अखिलेश यादव की यह टिप्पणी रामपुर विकास प्राधिकरण द्वारा विश्वविद्यालय की 40 में से 38 इमारतों को गिराने के आदेश के कुछ दिन बाद आई है। प्राधिकरण का कहना है कि इन इमारतों का निर्माण बिना अनुमति के किया गया था। वहीं, विश्वविद्यालय ने इस कार्रवाई को चुनौती देते हुए कहा

है कि जब ये निर्माण हुए थे, तब यह क्षेत्र प्राधिकरण के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता था। पूर्व मुख्यमंत्री ने पोस्ट में छात्रों, अभिभावकों और देशवासियों से विश्वविद्यालय को बचाने के प्रयासों का समर्थन करने की अपील की और इसे शिक्षा का 'मंदिर' बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार अपनी संकीर्ण राजनीति' का शिकार विश्वविद्यालय को बना रही है और हजारों छात्रों तथा उनके अभिभावकों के सपनों को बुलडोजर से कुचलने' का प्रयास कर रही है। यदि दस्तावेजों में कोई कमी है तो उसे दूर किया जाना चाहिए, न कि विश्वविद्यालय को ध्वस्त किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह संस्थान आर्थिक रूप से कमजोर उन वर्गों के बच्चों को शिक्षा उपलब्ध कराता है, जो महंगे निजी विश्वविद्यालयों या विदेशों में पढ़ाई का खर्च वहन नहीं कर सकते।

सपा प्रमुख ने सवाल किया कि क्या 'भाजपा युवा विरोधी' हो गई है और आरोप लगाया कि सरकार की कार्रवाई छात्रों के भविष्य की चिंता के बजाय उसके 'अहंकार' को दर्शाती है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा शिक्षा विरोधी' है, क्योंकि शिक्षित लोग अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होते हैं और अन्याय के खिलाफ सवाल उठाते हैं। यादव ने दावा किया कि जौहर विश्वविद्यालय के खिलाफ कार्रवाई समाज के सभी वर्गों के छात्रों के विरुद्ध एक बड़ी साजिश' का हिस्सा है और सत्तारूढ़ दल राजनीतिक प्रतिशोध की नीति अपना रहा है।

सुविचार

ईमानदारी सबसे बड़ा आभूषण है। सत्य का मार्ग कठिन हो सकता है, लेकिन अंत में वही विजय दिलाता है। सच्चाई को अपनाएं, सम्मान स्वयं मिलेगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पीओके में धधक रहा 'लावा'

संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार कार्यालय ने पीओके में जारी अशांति पर जिन शब्दों में चिंता जताई है, उससे कोरी रस्म-अदायगी का संकेत मिलता है। क्या इस कार्यालय को मालूम नहीं कि पाकिस्तान पीओके में क्या कर रहा है? जिस देश ने उस इलाके पर अवैध कब्जा कर रखा है, संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार उच्चायुक्त उसी से निष्पक्ष जांच कराने का आग्रह कर रहे हैं! उन्हें तो पाकिस्तान की कड़ी निंदा करनी चाहिए, क्योंकि इस देश ने पीओके को जुल्म, ज्यादती और तबाही के अलावा कुछ नहीं दिया। वहां क्षेत्रीय चुनावों से पहले फैली भयंकर अशांति इस बात की गवाह है कि लोगों को पाकिस्तानी सरकार और फौज पर रत्तीभर विश्वास नहीं है। वहां चुनाव आयोग फौज की कठपुतली बन चुका है। उससे और स्थानीय अधिकारियों से यह उम्मीद कैसे की जा सकती है कि वे कभी निष्पक्ष चुनाव कराएंगे? जेएएसी के नेतृत्व में हो रहे विरोध प्रदर्शन के पीछे सिर्फ स्थानीय राजनीतिक प्रतिनिधित्व में बदलाव का मुद्दा नहीं है। यह एक वजह हो सकती है, लेकिन उसके पीछे कई वजह हैं, जो लोगों के दिलो-दिमाग में लावा बनकर धधक रही हैं0। पाकिस्तानी फौज ने कई स्थानीय नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और आम लोगों को जेल में डाल रखा है। उनकी रिहाई की मांग की जा रही है, लेकिन उन्हें अदालतों से राहत नहीं मिल रही है, क्योंकि जजों पर रावलपिंडी का दबाव है। ऐसे में यह आशंका गलत नहीं है कि उनमें से कई लोग गुमनामी में परलोक सिधार सकते हैं या कई साल यूं ही जेल में बिताने के बाद बाहर आ सकते हैं0। तब वे फौज के लिए 'खतरा' नहीं होंगे।

पीओके में पाकिस्तानी फौज की मनमानी अपनी जगह है। प्रशासनिक अधिकारी-कर्मचारी भी जनता का खून चूसते हैं। दफ्तरों में लोगों की अर्जियां रद्दी की टोकरी की शोभा बढ़ाती हैं।

पीओके में पाकिस्तानी फौज की मनमानी अपनी जगह है। प्रशासनिक अधिकारी-कर्मचारी भी जनता का खून चूसते हैं0। दफ्तरों में लोगों की अर्जियां रद्दी की टोकरी की शोभा बढ़ाती हैं। सड़क, पुल और नाली जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए वर्षों पहले दी गईं कई अर्जियों को दीमक खा चुकी है। लगभग चार दशक पहले जम्मू-कश्मीर में यह दुष्प्रचार बहुत जोर-शोर से किया गया था कि 'एलओसी के उस पार यानी पीओके में खुशहाली है ... वहां सब भाई-भाई हैं ... वह इलाका जन्नत है ... उधर तो भरपूर आज़ादी है ... वहां चैन ही चैन है, किसी चीज की कोई कमी नहीं है।' इन झूठे दावों पर विश्वास कर कई लोग उधर चले गए थे। आज वे अपनी किस्मत को कोस रहे होंगे। पीओके में 'खुशहाली' का तो यह हाल है कि अक्टूबर 2005 में आए भूकंप में जिन स्कूलों की इमारतें क्षतिग्रस्त हुई थीं, वहां आजतक एक ईंट नहीं लगाई गई0। 'भाई-भाई' वाली बात कोरी कहानी है। पीओके में पाकिस्तानी फौज उन लोगों पर दनादन गोलियां बरसा रही है, जिनका रक्षक होने का वह दावा करती है। पाकिस्तान पीओके के कथित आज़ाद अस्तित्व की बात करता है, जो अत्यंत हास्यास्पद है। असल में उसे फौज और आईएसआई ने बंधक बना रखा है। वहां जवान से लेकर जनरल तक संसाधनों की लूट से ऐश कर रहे हैं0। पीओके में महंगाई पूरे पाकिस्तान की तुलना में काफी ज्यादा है। जब कभी आटा, दाल, चावल, सब्जियों और दवाइयों की किल्लत होती है तो जनता को ये चीजें नहीं, बल्कि पुलिस के डंडे मिलते हैं0। सरकार इस्लामाबाद और (पाकिस्तानी) पंजाब में आपूर्ति को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। कराची की ओर भी ध्यान देना पड़ता है। पीओके का नंबर सबसे आखिर में आता है। जब ऐसे हालात होंगे तो लोग सड़कों पर क्यों नहीं उतरेंगे? यह तो शुरुआत है। अगर लोगों को राहत न मिली तो पीओके में बहुत बड़ी मुहिम खड़ी हो सकती है, जिसे कुचलना पाकिस्तानी सरकार और फौज के लिए असंभव होगा।

ट्वीटर टॉक

58वें इंटरनेशनल केमिस्ट्री ओलंपियाड में चारों गोल्ड मेडल और 37वें इंटरनेशनल बायोलॉजी ओलंपियाड में 1 गोल्ड और 3 सिल्वर मेडल जीतकर भारत का अब तक का सबसे अच्छा परफॉर्मेंस देने वाले सभी टैलेंटेड स्टूडेंट0स को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं!

-भजनलाल शर्मा

नीट पेपर लीक के बाद, पूरे देश में स्टूडेंट0स और उनके परिवारों में गहरी निराशा और गुस्सा है। मेंटल स्ट्रेस और स्टूडेंट0स के सुसाइड की घटनाएं पूरे देश के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं0। कल देहरादून में हुए छात्रों की गूंज इवेंट में, राहुल गांधी ने इन घटनाओं पर गंभीर चिंता जताई ।

जापान ओपन विमेंस सिंगल्स टाइटल जीतने पर बहुत-बहुत बधाई0। आप यह शानदार कामयाबी हासिल करने वाली पहली भारतीय बनीं0। यह यादगार जीत आपके शानदार करियर और भारतीय बैडमिंटन में एक और शानदार चैप्टर जोड़ती है।

-डीके शिवकुमार

प्रेरक प्रसंग

क्रोध की अग्नि

एथेंस की एक गली में सुकरात अपने शिष्यों के साथ बैठे थे। तभी एक युवक क्रोध से भरा हुआ वहां आया। 'गुरुदेव! मेरे मित्र ने सबके सामने मेरा अपमान किया है। मैं उसे कभी क्षमा नहीं करूंगा।' सुकरात ने कुछ नहीं कहा। उन्होंने पास रखा एक जलता हुआ दीपक युवक के हाथ में थमा दिया और बोले, 'इसे लेकर मेरे साथ चलो।' वे उसे शहर के बाहर एक अंधेरी झोपड़ी में ले गए0। भीतर एक वृद्धा अपने बीमार पुत्र का सिर सहला रही थी। घर में खाने को कुछ नहीं था, फिर भी उसके चेहरे पर ममता थी। सुकरात ने पूछा, 'तुम्हें अपने भाग्य पर क्रोध नहीं आता?' वृद्धा मुस्कुराई, 'क्रोध करूं तो मेरे बेटे का दर्द कम हो जाएगा क्या? मेरे पास प्रेम बचा है, उसे भी क्यों जला दूं?' युवक की आंखें झुक गईं0। सुकरात ने उसके हाथ का दीपक दिखाते हुए कहा, 'क्रोध इसी दीपक की लौ जैसा है। जब तुम इसे दूसरे को जलाने के लिए उठाते हो, तब सबसे पहले इसकी गर्मी तुम्हारे अपने हाथ को ही झुलसाती है।' युवक की आंखों से आंसू बह निकले। उसे मित्र का अपमान याद नहीं रहा, केवल अपनी मां का चेहरा याद आया, जो हर गलती पर उसे क्षमा कर देती थी।

सामयिक

देश के भाग्य का फैसला करेंगे यूपी के चुनाव?

बाल मुकुंद ओझा

मोबाइल : 9414441218

यूपी विधानसभा का चुनाव आगामी लोकसभा चुनाव की आधारशिला रखेगा। प्रदेश में चुनावी माहौल तेजी से गहराने लगा है। मिशन-2027 को लेकर भाजपा ने अपनी चुनावी रणनीति तैयार करना शुरू कर दिया है। भाजपा मिशन-2027 को लेकर ओबीसी वोट बैंक, हिंदुत्व और राष्ट्रवाद पर केंद्रित रणनीति अपना रही है। पार्टी ने कुर्मी वोटों को साधने के लिए पंकज चौधरी को प्रदेश का अध्यक्ष बनाया गया है। उत्तर प्रदेश में मुस्लिम मतदाताओं का बड़ा हिस्सा परंपरागत रूप से समाजवादी पार्टी के साथ रहा है। सांसद ओवैसी की पार्टी भी दम ख़म के साथ चुनाव में कूद रही है। यूपी के चुनाव ही देश की दशा और दिशा निर्धारित करेंगे।

देश के सबसे बड़े प्रदेश उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव जैसे जैसे नजदीक आते जा रहे है वैसे वैसे सियासी पार्टियों ने अपनी रणनीतिक तैयारियां शुरू कर दी है। एक दूसरे पर आरोपों की बौछारे सियासी पारे में गर्माहट पैदा करने लगी है। भाजपा और समाजवादी पार्टी दोनों ने एक दूसरे को पछाड़ने के लिए भाषणों और बयानों के जहरीले तीर बरसाने शुरू कर दिए है। 403 विधानसभा सीटों वाले उत्तर प्रदेश में इस समय भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने 403 में से 255 सीटों पर जीत हासिल की थी। समाजवादी पार्टी को 111, कांग्रेस को 2 और बहुजन समाज पार्टी को महज 1 सीट मिली थी। 34 सीटों पर अन्य दलों के उम्मीदवार जीते थे। पार्टियों ने अपने अपने गठबंधन तलाशने के साथ उन्हें मज़बूती प्रदान करने प्रारम्भ कर दिए है। भाजपा के साथ कई छोटी पार्टियां है। इस बार भाजपा को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय लोकदल का भी साथ मिला हुआ है। दूसरी तरफ, सपा और कांग्रेस के बीच गठबंधन की स्थिति पूरी तरह साफ़ नहीं है। उम्मेद है दोनों पार्टियां मिलकर चुनाव लड़ेंगी। बसपा सुप्रीमों मायावती अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान कर चुकी हैं। विधानसभा चुनाव में चंद्रशेखर की आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) और असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम भी अपने प्रत्याशी उतारेगी। यूपी विधानसभा चुनाव में इस बार रोचक मुकाबला देखने को मिलेगा।

कहा जाता यूपी की सियासत में 'दिल्ली की सत्ता का रास्ता लखनऊ से होकर गुजरता है', यह केवल कहावत ही नहीं है अपितु भारतीय राजनीति की सबसे बड़ी हकीकत है। प. जवाहर लाल नेहरू से लेकर नरेंद्र मोदी तक, इतिहास गवाह है कि जिसने यूपी जीता, उसने हिंदुस्तान जीत लिया। यह भी कहा जाता है, जिसने उत्तर प्रदेश में अच्छा प्रदर्शन किया उसके दिल्ली पहुंचने के रास्ते आसान हो जाते हैं। इसीलिए भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश में अपनी चुनावी रणनीति को धार देना शुरू कर दिया है। विधानसभा चुनाव को लेकर अभी से जोड़-तोड़ और कयासों का दौर शुरू हो चुका है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सामने अपनी सत्ता बचाने और भाजपा की हैट्रिक लगाने की चुनौती है, तो वहीं समाजवादी पार्टी के सुप्रीमो अखिलेश यादव पीडीए के फॉर्मूले के दम पर सत्ता में वापसी की हर संभव कोशिश में जुटे हैं। यूपी की जनता ही तय करती है की देश की हवा किस ओर बहती है।

यूपी विधानसभा चुनाव को लेकर अभी से जोड़-तोड़ और कयासों का दौर शुरू हो चुका है। इसी के मधे नज़र गठजोड़ बनने बिगड़ने शुरू हो गए है। बात बात पर नेताओं ने चुनाव में देख लेने की धमकिया देनी शुरू कर दी है। यूपी में साढ़े नौ साल से भाजपा सत्तारूढ़ है और योगी आदित्यनाथ के पास सत्ता की कमान है। भाजपा तीसरे टर्म के लिए जी तोड़ कोशिश में लगी है। यहाँ भाजपा और समाजवादी पार्टी में सीधी और कांटे की लड़ाई है। कांग्रेस और बसपा समाप्त प्राय है। अन्य छोटी पार्टिया अपने अस्तित्व को बचाने के फेर में है। सपा मुखिया पीडीए बनाकर मतों को एक मुश्त अपनी झोली में डालने के प्रयास में जुटी है वहीँ भाजपा हिन्दू मतों को कटेंगे तो बटेंगे का नारा देकर प्राप्त करने के प्रयास में है। कुछ अन्य जातीय पार्टियां भी जातीय मतों के बुते पर मैदान में डटी है। यूपी विधानसभा का चुनाव आगामी लोकसभा चुनाव की आधारशिला रखेगा। प्रदेश में चुनावी माहौल तेजी से गहराने लगा है। मिशन-2027 को लेकर भाजपा ने अपनी चुनावी रणनीति तैयार करना शुरू कर दिया है। भाजपा मिशन-2027 को लेकर ओबीसी वोट बैंक, हिंदुत्व और राष्ट्रवाद पर केंद्रित रणनीति अपना रही है। पार्टी ने कुर्मी वोटों को साधने के लिए पंकज चौधरी को प्रदेश का अध्यक्ष बनाया गया है। उत्तर प्रदेश में मुस्लिम मतदाताओं का बड़ा हिस्सा परंपरागत रूप से समाजवादी पार्टी के साथ रहा है। सांसद ओवैसी की पार्टी भी दम ख़म के साथ चुनाव में कूद रही है। यूपी के चुनाव ही देश की दशा और दिशा निर्धारित करेंगे। सत्तारूढ़ भाजपा ने मोदी और योगी के सहारे जहाँ सत्ता में वापसी की उम्मीद जगाई है वहां अखिलेश की समाजवादी पार्टी ने कुछ छोटे दलों से गठजोड कर मुकाबला कांटे का खड़ा करने का प्रयास कर रही है।

नजरिया

वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि बलूचिस्तान की गहरी और बहुआयामी समस्या का समाधान केवल बंदूकों, सैन्य बूटों की थाप या बल प्रयोग में बिल्कुल नहीं तलाशा जा सकता। विश्व का इतिहास इस बात का गवाह है कि जिन क्षेत्रों में पहचान, संसाधन और राजनीतिक अधिकारों से जुड़े प्रश्न लंबे समय तक अनसुलझे रहते हैं, वहां राज्य को हमेशा अस्थिरता का सामना करना पड़ता है।

पाकिस्तान से टूटने को तैयार दिखता है ब्लूचिस्तान

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

पाकिस्तान का सबसे बड़ा और संसाधन संपन्न प्रांत बलूचिस्तान एक बार फिर गहरी अशांति और अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक चर्चा के केंद्र में आ गया है। पिछले कुछ समय में इस क्षेत्र से छनकर आ रही खबरें, विद्रोही गुटों के दावे और पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान की प्रतिक्रियाएं इस बात का स्पष्ट संकेत हैं कि यह विवाद अब एक नए और अधिक हिंसक चरण में प्रवेश कर चुका है। बलूच राष्ट्रवादियों द्वारा पाकिस्तानी सैन्य चौकियों पर हमलों के दावे और इसके जवाब में सेना के व्यापक अभियानों ने पूरे क्षेत्र की सुरक्षा स्थिति को बेहद नाजुक बना दिया है। इंटरनेट और सोशल मीडिया के इस आधुनिक युग में दोनों पक्षों की ओर से सूचना और दुष्प्रचार का जो युद्ध लड़ा जा रहा है, उसने जमीनी हकीकत को समझना और भी चुनौतीपूर्ण कर दिया है। हालांकि यह विवाद केवल हालिया सैन्य झड़पों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसकी जड़ें दशकों पुराने राजनीतिक असंतोष, आर्थिक वंचना और पहचान के संकट में गहराई तक समाहित हैं जो अब एक नासूर का रूप ले चुकी हैं।

पाकिस्तान के निर्माण के समय से ही बलूचिस्तान का प्रश्न इस्लामाबाद के लिए गले की हड्डी बना रहा है। बलूच लोगों का एक बड़ा वर्ग यह मानता है कि वर्ष उन्नीस सौ सैंतालीस में उनके तत्कालीन राज्य कलात का पाकिस्तान में विलय उनकी स्पष्ट इच्छा के विरुद्ध किया गया था। इसी ऐतिहासिक असंतोष ने समय के साथ एक मजबूत राष्ट्रवादी आंदोलन को जन्म दिया, जो हर गुजरते दशक के साथ अधिक उग्र और हिंसक होता गया। बलूच राष्ट्रवादियों की सबसे मुख्य शिकायत यह है कि उनके क्षेत्र को पाकिस्तान द्वारा केवल एक आर्थिक उपनिवेश के रूप में देखा जाता है। बलूचिस्तान प्राकृतिक गैस, तांबे, सोने और अन्य बहुमूल्य खनिजों का अथाह भंडार है।

इसके बावजूद इन विशाल संसाधनों से प्राप्त होने वाले राजस्व का एक बहुत ही नगण्य हिस्सा स्थानीय विकास कार्यों पर खर्च किया जाता है। स्थानीय निवासियों को रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं से योजनाबद्ध तरीके से वंचित रखा गया है, जबकि इस्लामाबाद और पंजाब प्रांत के अभिजात्य वर्ग इन संसाधनों का भरपूर लाभ उठा रहे हैं। यह घोर आर्थिक असमानता उस गुस्से को और भड़काती है जो अंततः आम युवाओं को मुख्यधारा से काटकर विद्रोही गुटों की ओर धकेलता है।

हाल के वर्षों में बलूच लिबरेशन आर्मी जैसे कई विद्रोही संगठनों ने अपनी रणनीतिक क्षमता और मारक शक्ति में अप्रत्याशित वृद्धि की है। पहले जहां ये हमले केवल छिटपुट और प्रतीकात्मक होते थे, वहीं अब ये बेहद सुनियोजित और बड़े पैमाने पर किए जा रहे हैं। वर्तमान विद्रोह की एक और विशेष बात यह है कि इसकी कमान अब केवल पारंपरिक कबीलाई सरदारों के हाथों में नहीं रही है, बल्कि विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले शिक्षित मध्यवर्गीय युवा और यहां तक कि महिलाएं भी इसमें सक्रिय रूप से शामिल हो रही हैं। सैन्य ठिकानों, पुलिस चौकियों और संचार तथा यातायात के महत्वपूर्ण ढांचों पर होने वाले निरंतर हमले यह दर्शाते हैं कि विद्रोही अब सीधे तौर पर पाकिस्तानी राज्य की सत्ता और संप्रभुता को चुनौती दे रहे हैं। विद्रोही गुटों का दावा है कि उन्हें आम जनता का व्यापक समर्थन प्राप्त है और वे अपने अधिकारों की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं।

दूसरी ओर पाकिस्तानी सेना और सरकार का रुख हमेशा की तरह बेहद कड़ा है। वे इन विद्रोहियों को केवल राज्य के दुश्मन और विदेशी ताकतों के मोहरे के रूप में चित्रित करते हैं और सैन्य बल के निर्दयी प्रयोग को ही एकमात्र समाधान मानते हैं। लेकिन बार बार होने वाले व्यापक सैन्य अभियानों के बावजूद समस्या का कोई स्थायी हल न निकल पाना यह साबित करता है कि ताकत के बल पर किसी भी जन आंदोलन को हमेशा के लिए नहीं कुचला जा सकता।

इस संघर्ष का एक बेहद चिंताजनक पहलू मानवाधिकारों का निरंतर और घोर उल्लंघन है। स्थानीय और कई अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन लगातार यह आरोप लगाते रहे हैं कि पाकिस्तानी सुरक्षा बल बलूचिस्तान में व्यापक स्तर पर दमन चक्र चला रहे हैं। हजारों की संख्या में बलूच युवाओं, छात्रों, वकीलों और राजनीतिक कार्यकर्ताओं को सुरक्षा एजेंसियों द्वारा कथित तौर पर जबरन गायब कर दिया गया है। इन लापता लोगों के परिवार वाले सालों से न्याय के लिए दर दर भटक रहे हैं और अदालतों से लेकर सड़कों तक विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन व्यवस्था उनकी पुकार सुनने को तैयार नहीं है। राज्य द्वारा की जा रही इस ज्यादती ने बलूच समाज में पाकिस्तान की केंद्र सरकार के प्रति अविश्वास की खाई को इतना चौड़ा कर दिया है कि उसे पाटना अब लगभग असंभव प्रतीत होता है। हर नई गुमशुदगी और हर नई क्रूर सैन्य कार्रवाई विद्रोह की आग में घी डालने का काम करती है और राज्य के खिलाफ घृणा को और गहरा करती है।

बलूचिस्तान का यह गंभीर मुद्दा अब केवल पाकिस्तान का आंतरिक मामला नहीं रह गया है, बल्कि इसके गहरे भू राजनीतिक और रणनीतिक निहितार्थ भी हैं। चीन और पाकिस्तान के बीच बन रहे आर्थिक गलियारे ने इस क्षेत्र के सामरिक महत्व को कई गुना बढ़ा दिया है। ग्वादर बंदरगाह, जो अरब सागर के ठीक मुहाने पर स्थित है, चीन की महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड पहल का एक प्रमुख और निर्णायक केंद्र है। चीन ने बलूचिस्तान में अरबों डॉलर का भारी निवेश किया है। लेकिन स्थानीय बलूच लोगों का दृढ़ता से यह मानना है कि इस तथाकथित विकास से उन्हें कोई फायदा नहीं होने वाला है, बल्कि यह भविष्य में जनसांख्यिकीय बदलाव लाने और उनके प्राकृतिक संसाधनों को पूरी तरह से लूटने की एक नई साजिश है। यही कारण है कि विद्रोही गुट अक्सर चीनी इंजीनियरों, श्रमिकों और इस आर्थिक गलियारे से जुड़ी अहम परियोजनाओं को अपना निशाना बनाते हैं। इन हमलों के कारण पाकिस्तान सरकार पर चीन की सुरक्षा चिंताओं को दूर करने का भारी और निरंतर दबाव रहता है।

वहीं दूसरी ओर अफगानिस्तान के साथ लगने वाली डूरंड रेखा का पुराना विवाद इस पूरी क्षेत्रीय स्थिति को और भी अधिक जटिल बना देता है। अफगानिस्तान के साथ लगती यह लंबी और अस्थिर सीमा केवल एक लकीर नहीं है, बल्कि इसके दोनों ओर रहने वाले पश्तून और बलूच समुदायों के गहरे सांस्कृतिक और पारिवारिक संबंध हैं। इस खुली और दुर्गम सीमा के कारण हथियारों और विद्रोहियों की आवाजाही को पूरी तरह से रोकना पाकिस्तानी सेना के लिए हमेशा एक बड़ी चुनौती बनी रहती है। जब बलूच राष्ट्रवादी सीमांत क्षेत्रों में अपना नियंत्रण स्थापित करने का दावा करते हैं, तो यह सीधे तौर पर क्षेत्रीय सुरक्षा को प्रभावित करता है और अफगानिस्तान तथा पाकिस्तान के बीच पहले से मौजूद अविश्वास को और अधिक गहरा कर देता है।

वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि बलूचिस्तान की गहरी और बहुआयामी समस्या का समाधान केवल बंदूकों, सैन्य बूटों की थाप या बल प्रयोग में बिल्कुल नहीं तलाशा जा सकता। विश्व का इतिहास इस बात का गवाह है कि जिन क्षेत्रों में पहचान, संसाधन और राजनीतिक अधिकारों से जुड़े प्रश्न लंबे समय तक अनसुलझे रहते हैं, वहां राज्य को हमेशा अस्थिरता का सामना करना पड़ता है। जब तक वहां के लोगों की जायज राजनीतिक और आर्थिक शिकायतों का ईमानदारी से निवारण नहीं किया जाता, तब तक कोई भी शांति बाहर से थोपी नहीं जा सकती। पाकिस्तान के नीति निर्माताओं को यह कड़वी सच्चाई स्वीकार करनी होगी कि बलूच लोगों को उनके ही घर में बेगाना और हाशिए पर रखकर एक मजबूत और एकजुट राष्ट्र का निर्माण नहीं किया जा सकता।

इस संकट के समाधान के लिए राज्य को अपनी सदियों पुरानी सैन्य और दमनकारी मानसिकता से बाहर आना होगा और एक सार्थक तथा पारदर्शी राजनीतिक संवाद की तत्काल शुरुआत करनी होगी। प्राकृतिक संसाधनों पर स्थानीय लोगों के प्रथम अधिकार को संवैधानिक मान्यता देना, विकास परियोजनाओं में उनकी सीधी और सम्मानजनक भागीदारी सुनिश्चित करना और सबसे महत्वपूर्ण बात, मानवाधिकारों के व्यापक उल्लंघन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाकर सभी लापता लोगों को निष्पक्ष न्याय दिलाना ही वह एकमात्र लोकतांत्रिक रास्ता है जो बलूचिस्तान में वास्तविक और स्थायी शांति ला सकता है। यदि पाकिस्तान के हुक्मरानों ने समय रहते अपनी नीतियां नहीं बदलीं और संवाद का मार्ग नहीं अपनाया, तो बलूचिस्तान का यह रिसता हुआ नासूर आने वाले समय में पाकिस्तान के पूरे अस्तित्व, उसकी अर्थव्यवस्था और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए सबसे घातक और विनाशकारी खतरा बन सकता है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

प्रदर्शन

अभिनेत्री और मॉडल पूनम पांडे रविवार को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी द्वारा आयोजित एक विरोध प्रदर्शन में शामिल हुईं।

'गोल्डन बूट' के लिए मेस्सी को करनी होगी एम्बाप्पे की बराबरी

न्यूयॉर्क/एपी। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी के सामने ''गोल्डन बूट'' जीतने के लिए किलियन एमबाप्पे की बराबरी करने की बड़ी चुनौती है। मेस्सी ने अपने करियर में फुटबॉल की लगभग हर बड़ी उपलब्धि हासिल की है, लेकिन विश्व कप में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी को दिए जाने वाले 'गोल्डन बूट' पुरस्कार से वह अब तक वंचित रहे हैं।

फ्रांस के स्ट्राइकर एमबाप्पे ने तीसरे स्थान के मुकाबले में दो गोल करके इस विश्व कप में अपने कुल गोल की संख्या 10 कर ली जिससे वह मेस्सी से दो गोल आगे निकल गए। अगर मेस्सी 'गोल्डन बूट' नहीं भी जीत पाते हैं, तब भी रविवार को न्यू जर्सी के ईस्ट रदरफोर्ड में स्पेन के खिलाफ होने वाले विश्व कप फाइनल में उनके पास टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को मिलने वाली 'गोल्डन बॉल' तीसरी बार जीतने का सुनहरा मौका है।

वर्ष 1978 में इस पुरस्कार की शुरुआत के बाद से मेस्सी ही एकमात्र खिलाड़ी हैं जिन्होंने इसे एक से अधिक बार जीता है। 39 वर्ष की उम्र में अर्जेंटीना को लगातार दूसरे विश्व कप फाइनल तक पहुंचाने में उनकी अहम भूमिका उन्हें एक

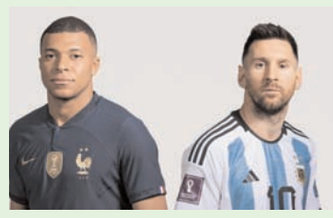

बार फिर इस सम्मान का मजबूत दावेदार बनाती है। अर्जेंटीना के मुख्य कोच लियोनेल स्कालोनी ने कहा, ''वह महान खिलाड़ी है।'' रविवार को विश्व कप के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अन्य पुरस्कार भी दिए जाएंगे। इनमें सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर के लिए 'गोल्डन ग्लव' और 21 वर्ष या उससे कम उम्र के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के लिए 'बेस्ट यंग प्लेयर अवॉर्ड' शामिल हैं। स्पेन के पास इन दोनों में से कम-से-कम एक, और संभव हो तो दोनों पुरस्कार जीतने का अच्छा मौका है। गोलकीपर उनाई सिमोन ने सात मैच में केवल एक गोल खाया है जबकि 19 वर्षीय लामिने यमाल ने अपने शानदार खेल से दुनिया के सबसे प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों में अपनी जगह मजबूत की है। दूसरी ओर, मेस्सी अपने शानदार करियर के अंतिम दौर में हैं।

फुटबॉल विश्व कप 2026 के महत्वपूर्ण पल

अटलांटा/एपी। स्पेन और मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना के बीच होने वाले विश्व कप फ़ाइनल के साथ इस टूर्नामेंट के इतिहास की सबसे बड़ी प्रतियोगिता का समापन होगा। रविवार को न्यू जर्सी में अंतिम सीटी बजने तक लगभग छह हफ्तों में तीन देशों में कुल 104 मैच खेले जा चुके होंगे। इस टूर्नामेंट में मैदान पर रोमांचक खेल देखने को मिला जिसमें उलटफेर, नाटकीय वापसी, शानदार गोल और खेल के सबसे बड़े सितारों का बेहतरीन प्रदर्शन शामिल था। इसमें विवाद भी हुए जैसे ईरान की भागीदारी को लेकर राजनीतिक तनाव और 'हाइड्रेशन ब्रेक' जैसे नए बदलावों की आलोचना जो कई फ़ैन्स को पसंद नहीं आए। अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में हुए 2026 विश्व कप की कुछ अहम चीजें इस प्रकार रहीं।

नए 48 टीम वाले प्रारूप को लेकर एकतरफा मुकाबलों और ग्रुप चरण में रोमांच की कमी की चिंताएं जताई गई थीं लेकिन केप वर्दे, कांगो और क्यूरासाओ जैसी टीमों ने इतिहास रचा और नए प्रशंसक बनाए। केप वर्दे ने अपने पहले मैच में स्पेन को ड्रॉ पर रोका, राउंड ऑफ 32 में जगह बनाई और अर्जेंटीना को कड़ी टक्कर दी लेकिन अतिरिक्त समय में 2-3 से हार गए। यह एक यादगार विश्व कप मैच था। केप वर्दे के गोलकीपर वोजिन्हा 40 साल की उम्र में स्टार बन गए और सोशल मीडिया पर उनके लाखों फॉलोअर्स हो गए। कांगो भी ग्रुप चरण से आगे बढ़ा और इंग्लैंड को कड़ी टक्कर दी लेकिन आखिरकार हार गया। क्यूरासाओ के पास भी अपने आखिरी ग्रुप मैच तक नॉकआउट में पहुंचने का मौका था। फीफा ने अधिक टीमों के लिए दरवाजे खोले और उन्होंने साबित कर दिया कि वे फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर मुक़ाबला कर सकती हैं। टूर्नामेंट में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी को दिए जाने वाले 'गोल्डन बूट' की दौड़ में दुनिया के शीर्ष खिलाड़ी शामिल थे जिनमें लियोनल मेस्सी, किलियन एमबाप्पे, एर्लिंग हालैंड, हैरी केन और जूड बेलिंघम ने जबरदस्त प्रदर्शन किया। रविवार के फाइनल से पहले एमबाप्पे 10 गोल के साथ गोल्डन बूट की दौड़ में सबसे आगे हैं। उन्होंने अपने करियर में विश्व कप में कुल 22 गोल का रिकॉर्ड भी बनाया। मेस्सी ने मौजूदा विश्व कप आठ गोल किए और एक मैच बाकी रहते हुए उनके विश्व कप में कुल 21 गोल हैं। क्रिस्टियानो रोनाल्डो पुर्तगाल को अपने आखिरी विश्व कप में खिताब नहीं दिला पाए जबकि दो साल पहले यूरो कप के स्टार लेमिन यमाल ने चोट से उबरने के बाद शानदार प्रदर्शन किया।

वीडियो सहायक रिव्यू (वीएआर) कई विवादित फैसलों की वजह बना जिसमें जर्मनी, क्रोएशिया और मिस्र के महत्वपूर्ण गोल रद्द कर दिए गए। राउंड ऑफ 16 में अर्जेंटीना के 0-2 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए 3-2 से जीतने पर मिस्र के कोच होसाम हसन ने इसकी तीखी आलोचना की। टूर्नामेंट में इस्तेमाल की जा रही सेंसर वाली बेहद आधुनिक गेंद की वजह से राउंड ऑफ 32 में पुर्तगाल के खिलाफ क्रोएशिया का आखिरी समय में बराबरी का गोल नहीं हो पाया क्योंकि गेंद ने इगोर मंटानोविच का हल्का सा स्पर्श भी पकड़ लिया और जोरको ग्वार्डियोल के गोल को ऑफसाइड करार दिया।

समय से पहले जन्मे नवजात की जान दुर्लभ सर्जरी से बची

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के एक अस्पताल के चिकित्सकों ने आहार नली की गंभीर जन्मजात विकृति से पीड़ित नवजात शिशु की जटिल सर्जरी कर उसे नया जीवन दिया। जुड़वां बच्चों में से इस एक शिशु का ऑपरेशन बेहद चुनौतीपूर्ण था, क्योंकि उसका जन्म समय से पहले हुआ था और उसका वजन मात्र 1.4 किलोग्राम था। कौशांबी स्थित यशोदा सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के चिकित्सकों ने बताया कि गर्भावस्था के 34वें सप्ताह में जन्मे इस नवजात में टाइप-सी 'ट्रेकियो-ईसॉफेजीअल फिस्टुला' (टीईएफ) के अलावा 'ईसॉफेजीअल एट्रेशिया' नामक दुर्लभ जन्मजात विकार का पता चला। इस स्थिति में भोजन नली सामान्य रूप से विकसित नहीं हो पाती, उसका ऊपरी सिरा बंद रह जाता है, जबकि निचला सिरा श्वासनली से जुड़ जाता है जिससे शिशु के लिए भोजन निगलना और सामान्य रूप से सांस लेना कठिन हो जाता है।

जन्म के तुरंत बाद शिशु के मुंह से झाग निकलने लगे, अत्यधिक लार बनने लगी और उसे सांस लेने में तकलीफ होने लगी। एक्स-रे में इस बीमारी की पुष्टि हुई, जिसमें फीडिंग ट्यूब भोजन नली के ऊपरी हिस्से में ही उलझी या मुड़ी हुई दिखाई दे रही थी।

करीब दो घंटे तक चली इस जटिल सर्जरी का नेतृत्व अस्पताल की बाल शल्य चिकित्सक एवं नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के बाल शल्य चिकित्सा विभाग की पूर्व अध्यक्ष डॉ. मीनू बाजपेयी ने किया। ऑपरेशन के दौरान चिकित्सकों ने भोजन नली के दोनों सिरों के बीच तीन कशेरुकाओं के बराबर अंतर होने के बावजूद उन्हें सफलतापूर्वक जोड़ दिया। डॉ. बाजपेयी ने कहा, ''बहुत कम जन्म वजन वाले शिशुओं में भोजन नली के दोनों सिरों को सीधे जोड़कर सर्जरी करना बेहद कठिन होता है।

'आदर्श बाल विद्यालय' में अभिमन्यु एक सख्त शिक्षक की भूमिका निभाई

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता अभिमन्यु सिंह ने अब तक पर्दे पर ज्यादातर दमदार, खतरनाक और प्रभावशाली किरदार निभाकर अलग पहचान बनाई है। इस बार वह दर्शकों के सामने बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आने वाले हैं। अपनी अपकमिंग वेब सीरीज 'आदर्श बाल विद्यालय' में अभिमन्यु एक सख्त शिक्षक की भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह उनके अब तक निभाए गए सभी किरदार से अलग है। अभिमन्यु ने कहा, ''मैंने करियर में कई दमदार और सख्त किरदार निभाए हैं, लेकिन एक शिक्षक की भूमिका निभाने की जिम्मेदारी बिल्कुल अलग होती है। मेरे किरदार का मानना है कि अनुशासन का मतलब बच्चों में डर पैदा करना नहीं है, बल्कि उन्हें आत्मविश्वास, ईमानदारी और मजबूती के साथ जिंदगी का सामना करने के लिए तैयार करना है।'' उन्होंने आगे कहा, ''मेरा किरदार बाहर से भले ही सख्त नजर आता हो, लेकिन उसके हर फैसले के पीछे छात्रों का बेहतर भविष्य छिपा है। मुझे लगता है कि हम सभी की जिंदगी में एक ऐसा शिक्षक जरूर रहा होगा, जिससे हम स्कूल के दिनों में डरते थे, लेकिन बाद में एहसास हुआ कि उसी ने हमें सबसे ज्यादा सीख दी। यही इस किरदार की असली भावना है और मुझे उम्मीद है कि दर्शक इससे खुद को जोड़ पाएंगे।''

वेब सीरीज 'आदर्श बाल विद्यालय' में अभिनेता केके. मेनन मुख्य भूमिका में हैं। वह इसमें ज्ञानेश्वर त्रिपाठी नाम के एक हेडमास्टर का किरदार निभा रहे हैं, जो बेफिक्र, चतुर और परिस्थितियों को अपने पक्ष में मोड़ने वाला व्यक्ति है। उसमें अपनी खूबियां भी हैं और कमियां भी। केके. मेनन ने अपने किरदार के बारे में कहा, मैंने अपने करियर में कई तरह के रोल निभाए, जिसमें इंटेलिजेंस ऑफिसर, राजनेता और अपराधी जैसे रोल्स शामिल हैं, लेकिन पहली बार मैं हेडमास्टर की भूमिका निभा रहा हूं। मेरा किरदार बहुत तेज दिमाग वाला और समझदार है। वह हर परिस्थिति को अपने पक्ष में मोड़ना जानता है। लेकिन, वह लापरवाह व्यक्ति है। यही अलग-अलग परतें इस किरदार को मेरे लिए बेहद खास बनाती हैं।

अभिमन्यु सिंह और केके. मेनन के अलावा सीरीज में ज्ञानेश्वर त्रिपाठी, अर्चना पूरन सिंह, नवीन कस्तूरिया, देवेन भोजानी और प्रसन्ना बिष्ट जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। 'आदर्श बाल विद्यालय' का निर्देशन हिमांक गौर ने किया है। यह सात-एपिसोड की सीरीज है, जो 24 जुलाई से प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी।

आमिर खान को बिश्नोई गैंग से धमकी मिलने के बाद मुंबई क्राइम ब्रांच अलर्ट, बढ़ाई गई सुरक्षा

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान को लॉरेंस बिश्नोई गैंग की तरफ से धमकी मिलने के बाद मुंबई क्राइम ब्रांच अलर्ट हो गई है। क्राइम ब्रांच ने आमिर खान की टीम से बातचीत की। मुंबई क्राइम ब्रांच मुख्य रूप से यह पता करना चाहती है कि यह धमकी आमिर खान या उनकी टीम को सीधे तौर पर मिली है या फिर सोशल मीडिया या खबरों के जरिए ही जानकारी मिली। खबरों के मुताबिक, आमिर खान या उनकी टीम की तरफ से पुलिस से कोई संपर्क नहीं किया गया है और न ही अभी तक कोई शिकायत दर्ज करवाई गई है। वहीं, महाराष्ट्र के गृहराज्य मंत्री योगेश कदम ने बताया कि सोशल मीडिया के माध्यम से उन्हें भी इस बात की जानकारी प्राप्त हुई। गृहराज्य मंत्री योगेश कदम ने यह भी स्पष्ट किया कि आमिर खान या उनकी टीम की तरफ से अभी तक कोई शिकायत नहीं दर्ज करवाई गई है, लेकिन पुलिस ने सुओमोटो के तहत मामले की जांच शुरू कर दी है।

उन्होंने कहा, आमिर खान को पहले से ही सुरक्षा मिली हुई है (एक पुलिस वाला साथ में है), लेकिन इस घटना के बाद उनकी सुरक्षा का रिव्यू लेकर आवश्यकता के अनुसार बढ़ाया जाएगा। हमने उनके घर पर पुलिस का विजिलेंस बढ़ा दिया है। बिश्नोई गैंग लोगों को धमकी देकर सिर्फ वसूली करने का प्रयास करते हैं, हमारी पुलिस ऐसे मामलों में तुरंत एक्शन लेती है।

उन्होंने बताया कि अनमोल (गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का छोटा भाई) को भारत वापस जल्द ही लाया जाएगा।

उन्होंने कहा, आमिर खान भी इस समय भारत में नहीं है। वापस आने के बाद उनसे संपर्क किया जाएगा। किसी को भी इस बात पर घबराने की जरूरत नहीं है। मुंबई पुलिस हर तरह से सक्षम है। वह अभी मामले की जांच कर रही है। खबरों के मुताबिक, यह धमकी उनकी हालिया शादी और उससे जुड़ी व्यक्तिगत पसंद को लेकर दी गई है, जिसे धमकी देने वालों ने सांस्कृतिक और धार्मिक मान्यताओं के विरुद्ध बताया है।

सनी देओल की फिल्म 'बंटवारा 1947' का टीजर आउट

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता सनी देओल की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'बंटवारा 1947' का टीजर शनिवार को रिलीज कर दिया गया। टीजर में भारत के बंटवारे की घटनाओं को दिखाया गया है। टीजर देखकर प्रतीत हो रहा है कि विभाजन के समय कैसे लोग बेरहम और गुस्से में अंधे हो गए थे। 57 सेकंड के टीजर में हाई वोल्टेज ड्रामा और विभाजन की दर्दनाक झलक देखने को मिल रही है। सनी देओल ऐसे व्यक्ति के किरदार में नजर आ रहे हैं, जो परिवार की रक्षा के लिए हर मुश्किल का सामना करते हैं। यह एक ऐसे निडर हीरो की झलक दिखाता है जो नफरत के खिलाफ मजबूती और पक्के इरादे के साथ खड़ा रहता है। यह फिल्म 1940 के दशक के उथल-पुथल भरे दौर को दिखाती है, जब बंटवारे ने लाखों लोगों की जिंदगी हमेशा के लिए बदल दी थी। डर, नुकसान और बेघर होने के बीच यह एक ऐसे आदमी की कहानी को प्रस्तुत करती है, जिसने नफरत के बजाय हिम्मत और इंसानियत को चुना था।

बताया जा रहा है कि फिल्म को पाकिस्तान में बैन कर दिया गया है, जिसकी वजह से फिल्म को लेकर लोगों में उत्सुकता और ज्यादा बढ़ गई है। फिल्म 'लगान' के बाद एक बार फिर आमिर खान, ए. आर. रहमान और जावेद अख्तर की ब्लॉकबस्टर तिकड़ी इस प्रोजेक्ट के लिए साथ आई है। डायरेक्टर राजकुमार संतोषी और एक्टर सनी देओल भी लगभग 30 साल (तीन दशक) के बाद इस फिल्म में साथ काम कर रहे हैं।इस फिल्म में सनी देओल के अलावा, शबाना आजमी, प्रीति जिंटा, करण देओल, अली फजल और अभिमन्यु सिंह जैसे कलाकार नजर आएंगे। फिल्म को आमिर खान और अपर्णा पुरोहित ने प्रोड्यूस किया है और यह 14 अगस्त को दुनिया भर में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। स्वतंत्रता दिवस के समय फिल्म को रिलीज होने से फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर अच्छा फायदा हो सकता है। अब देखना होगा कि फिल्म को दर्शक कितना पसंद करते हैं।

जागरूकता

आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में रविवार को पर्यावरण संरक्षण और जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित एक रैली में भाग लेते स्थानीय निवासी।

मैंने हमेशा मजबूत महिला किरदारों का समर्थन किया : अनिल कपूर

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अनिल कपूर का कहना है कि उन्होंने अपने पूरे फिल्मी करियर में हमेशा ऐसी फिल्मों का समर्थन किया है, जिनमें महिलाओं के मजबूत और प्रभावशाली किरदार कहानी का केंद्र हों। उनका मानना है कि सिनेमा में महिलाओं की दमदार आवाज और उनकी अहम भूमिका को और अधिक जगह मिलनी चाहिए। अनिल कपूर ने अपनी नई फिल्म 'अल्फा' को लेकर इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट करते हुए अपने विचार रखे। उन्होंने लिखा कि उनका यह विश्वास सिर्फ फिल्मों तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके निजी जीवन की मजबूत महिलाओं ने भी उनकी इस सोच को और मजबूत बनाया है। अभिनेता अनिल कपूर ने लिखा, मैं हमेशा से मानता आया हूं कि हमें ऐसी फिल्मों की जरूरत है, जिनमें मजबूत महिला मुख्य किरदार और उनकी आवाज

हो। चाहे वर्षों पहले 'जुदाई' और 'लम्हे' जैसी फिल्मों में अभिनय करना हो या 'खूबसूरत', 'वीरे दी वेडिंग' और 'क्रू' जैसी फिल्मों का निर्माण करना, मैंने हमेशा ऐसी महिला किरदारों का समर्थन किया है जो कहानी की धुरी हों।

उन्होंने अपनी बेटियों सोनम कपूर और रिया कपूर के साथ-साथ अपनी पत्नी को भी अपनी इस सोच की प्रेरणा बताया। उन्होंने कहा, शायद इसकी वजह यह है कि मैं दो बेहद मजबूत बेटियों का पिता और एक बेहद सशक्त महिला का पति हूं। या फिर इसलिए कि महिलाओं की ऊर्जा दुनिया को बदल रही है और यह जीवन की सच्चाई है।अनिल कपूर ने कहा कि उन्हें आदित्य चोपड़ा, शिव, बॉबी, आलिया, शरवरी और पूरी वाईआरएफ टीम के साथ काम करके खुशी हुई, क्योंकि वे भी महिलाओं को केंद्र में रखकर कहानियां बनाने में विश्वास रखते हैं। ऐसी सोच ही 'अल्फा' जैसी फिल्मों को संभव बनाती है।बता दें कि 'अल्फा', वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की सातवीं फिल्म है। इसमें आलिया भट्ट, शरवरी, अनिल कपूर, और बॉबी देओल मुख्य भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। फिल्म की कहानी एक बेहद प्रशिक्षित महिला कीलर की है, जिसे एक बागी कमांडर ने दुनिया से अलग रखकर सुपर-सोल्जर बनाया है। जब उसे अपने परिवार और बचपन से जुड़ा चौंकाने वाला सच पता चलता है, तो वह अपनी वर्षों से बिछड़ी बहन के साथ मिलकर अपना बदला लेने के मिशन पर चल पड़ती है।

असफलता से नहीं, एक जैसे किरदार निभाने से लगता है डर : विक्रांत मैसी

मुंबई/भाषा। अभिनेता विक्रांत मैसी ने कहा है कि उन्हें अपनी फिल्मों के असफल होने से अधिक डर एक जैसे किरदार निभाने और रचनात्मक दोहराव से लगता है और यही वजह है कि वह हर फिल्म में स्वयं को नये रूप में पेश करने का प्रयास करते हैं। मैसी को '12वीं फेल', 'सेक्टर 36', 'हसीन दिलरुबा', 'दिल धड़कने दो', 'लुटेरा', 'प्रितम एंड पेड्रो' और 'ब्रोकन बट ब्यूटीफुल' जैसी फिल्मों और ओटीटी सीरीज में भूमिकाओं के लिए सराहा गया है। उन्होंने कहा कि बॉक्स ऑफिस पर सफलता भी महत्वपूर्ण है, लेकिन एक अभिनेता के लिए सबसे बड़ा डर किरदारों का ''दोहराव'' और अभिनय में ''नयापन खत्म हो जाना'' होता है।

उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि अगर कोई फिल्म सिनेमाघरों में अच्छा प्रदर्शन नहीं करे तो इसे ठीक नहीं कह सकते। उन्होंने कहा, ''आप चाहते हैं कि फिल्म कमाई करे और ज्यादा से ज्यादा लोग उसे देखें। हालांकि, प्री-सेल (रिलीज से पहले फिल्म के संगीत तथा ओटीटी और टेलीविजन पर प्रदर्शन के अधिकार को बेच देने) से आपकी न्यूनतम लागत निकल आती है।'' उन्होंने कहा कि ''बेशक, आप चाहते हैं कि फिल्म अच्छा कारोबार करे, लेकिन एक अभिनेता के तौर पर सबसे ज्यादा डर इस बात का है कि आप बार-बार वही किरदार निभाने लग जाएं।'' उन्होंने कहा, ''दोहराव और अभिनय में नयापन खत्म हो

जाना ही वास्तव में डरावनी चीज है। मुझे असफल होने का डर नहीं लगता, क्योंकि जब आप नये प्रयोग करते हैं तो कभी-कभी असफलता भी मिलती है।'' मैसी ने बताया कि 2024 में उन्होंने सात महीने के लिए काम से विराम लिया था, क्योंकि उन्हें लगने लगा था कि उनके अभिनय में दोहराव आने लगा है। इस दौरान उन्होंने अपने अभिनय पर गौर किया। उन्होंने कहा, अपने काम का पुनर्मूल्यांकन करना बहुत जरूरी है। दुनिया अभूतपूर्व गति से बदल रही है, इसलिए एक रचनात्मक कलाकार के रूप में आपको लगातार खुद को बेहतर बनाना पड़ता है। अभिनेता मैसी (39) जल्द ही नेटफ्लिक्स पर आने वाली ओटीटी सीरीज ''मुसाफिर कैफे'' में नजर आएंगे। इस सीरीज के साथ वह निर्माता के रूप में भी अपनी शुरुआत कर रहे हैं।

वह आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर के जीवन पर आधारित प्रस्तावित बायोपिक ''व्हाइट'', अभिनेता सनी सिंह के साथ ''यार जिगरी' सहित कई अन्य परियोजनाओं पर भी काम कर रहे हैं। मैसी ने कहा कि राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने के बाद कई लोगों ने उन्हें एक खास छवि बनाए रखने की सलाह दी थी, लेकिन वह जोखिम उठाने और अलग-अलग तरह की कहानियां चुनने में विश्वास रखते हैं। उन्हें ''12वीं फेल'' में अभिनय के लिए 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार मिला था। उन्होंने कहा, ''मैं हमेशा ऐसी फिल्में करना चाहता था जिनमें कहानी को आगे बढ़ाने की मुख्य जिम्मेदारी मेरे कंधों पर हो और मुझे दमदार भूमिकाएं निभाने का मौका मिले...मैंने हमेशा ही लीक से हटकर काम किया है।''

अग्रवाल सभा द्वारा निः शुल्क आयुर्वेद कैंप का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां अग्रवाल सभा एवम् श्री वेंकटेश औषधालय के संयुक्त तत्वावधान में निशुल्क आयुर्वेदिक कैंप का सफल आयोजन19 जुलाई को एसआरकेके अग्रवाल सभा भवन में किया गया। करीब 200 लोगों ने अपना चेकअप कराया और चिकित्सकों से परामर्श लिया। वेंकटेश औषधालय से डॉ प्रीतम, डॉ प्रवीण कुमार, डॉ शरणबागबल्ली के साथ साथ ललिता ने चिकित्सा सुविधाओं को सजाया। वेंकटेश औषधालय के अध्यक्ष रघुनाथ, महामंत्री गिरी बागड़ी, अशोक मूंदड़ा, संपत जोशी के साथ साथ कई पदाधिकारियों ने भाग लिया। अग्रवाल सभा से अध्यक्ष सीताराम गोयल, महामंत्री बालगोविंद गुप्ता, अशोक केडिया, विजय गोयल, रवींद्र गुप्ता, संतोष गोयल का भी विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम के संयोजक संजीव अग्रवाल ने आयुर्वेद की विशेषताओं पर प्रकाश डाला और कार्यक्रम का संचालन भी किया। सभी को नि:शुल्क दवाएं भी उपलब्ध कराई गई।

साध्वीश्री संयमलता का चातुर्मासिक मंगल प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सेलम। यहां रविवार को तेरापंथ आचार्यश्री महाश्रमणजी की शिष्या साध्वीश्री संयमलताजी का शंकरनगर स्थित तेरापंथ भवन में भव्य चतुर्मासिक मंगल प्रवेश हुआ। विजयसिंह डुंगरवाल के निवास स्थान से प्रारंभ रैली में सैंकड़ों की संख्या में सेलम श्रावक समाज समेत ईरोड, मदुरै, बंगलौर, होसकोटे आदि शहरों से पधारे लोग शामिल हुए। गणवेश में शरीक भाई बहन अनुशासित तरीके से पंक्तिबद्ध कदमताल कर रहे थे और जैन धर्म के नारों से गुंजायमान वातावरण रैली की भव्यता को मानो चार चांद लगा रहे हों। भवन परिसर तक पहुंच कर पहले साध्वीवृंद ने मंत्रोच्चार, मंगलपाठ, आज्ञा आदि से प्रवेश की विधि अनुष्ठान को पूरा किया। मंडल ने मंगल कलश की स्थापना की। सभा अध्यक्ष प्रवीण बोहरा ने स्वागत भाषण दिया। साध्वीश्री संयमलताजी ने एक गीतिका के साथ अपना मंगल उद्बोधन प्रारंभ किया। श्रावक समाज से समय नियोजन कर दैनिक प्रवचन श्रवण का अनुरोध किया और सभी से स्वयं का आध्यात्मिक विकास करने की प्रेरणा दी।

साध्वीश्री मार्दवश्री ने कहा कि इस चातुर्मास में सेलम वासियों को 'मैं कौन हूं', इसको समझने का प्रयास करना चाहिए। हम साध्वियां इन चार महीनों में तप साधना के माध्यम से आपका शारिरिक स्वास्थ्य, प्रवचन के माध्यम से आपका मानसिक स्वास्थ्य और ध्यान तथा श्वास-क्रिया के माध्यम से आपका भावनात्मक स्वास्थ्य बेहतर बनाने के लिए श्रम करेंगे।

चेन्नई में प्रवचन माला का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

'करें अनन्त की यात्रा' विषय पर स्वाध्याय अनुप्रेक्षा करते हुए वरिष्ठ स्वाध्यायी वीरेन्द्र कांकरिया ने कहा कि आचार्य हीराचन्द्र म.सा ने फरमाया हैं कि जो अनन्त की यात्रा में बढ़ने वाले होते हैं उन्हें ना दिनों का ख्याल रहता हैं,ना ही महीने का और विरले ऐसे भी होते हैं जिन्हें चार-चार महीनों तक आहार ग्रहण करने का ख्याल भी नहीं आता हैं।

चेन्नई। यहां रविवार को साहूकारपेट के बेसिन वाटर स्ट्रीट में स्थित स्वाध्याय भवन में प्रवचन माला के अंतर्गत वरिष्ठ स्वाध्यायी वीरेन्द्र कांकरिया ने 'करें अनन्त की यात्रा' विषय पर स्वाध्याय अनुप्रेक्षा करते हुए कहा कि आचार्य हीराचन्द्र म.सा ने फरमाया हैं कि जो अनन्त की यात्रा में बढ़ने वाले होते हैं उन्हें ना दिनों का ख्याल रहता हैं,ना ही महीने का और विरले ऐसे भी होते हैं जिन्हें चार-चार महीनों तक आहार ग्रहण करने का ख्याल भी नहीं आता हैं। विभाव से स्वभाव में आने के लिए पुरुषार्थ करना पड़ता हैं। हर आत्मा में अनन्त ज्ञान,अनन्त दर्शन हैं आत्मा को कर्मों के आवरण को हटाकर अनन्त की और बढ़ने की जरुरत हैं। आज धर्म के चिन्तन के बजाय मत और पंथ का चिन्तन किया जा रहा हैं। धर्मी को धर्म का चिन्तन करना चाहिए ना कि पंथ व मत का। व्यक्ति जाति, कुल, ऋद्धि से ही कोई विशेष नहीं होता हैं। व्रत, क्षमा, सरलता, संतोष, निरभिमानता आदि गुणों के अवधारण से ही व्यक्ति विशेष होता हैं। स्वाध्यायी बन्धुवर ने उतराध्ययन, दशवैकालिक सूत्र में वर्णित गाथाओं व खंदक मुनि,प्रभु महावीर, गजसुकमाल मुनि, मेतार्य मुनि, वृद्धवादी की जीवनी का प्रेरणादायक जीवनी का उल्लेख किया।

जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ तमिलनाडु से आर नरेन्द्र कांकरिया ने जीवन संकल्प सूत्र व मनोरथ चिन्तन करते हुए स्वाध्याय सेवा प्रदान करने हेतु स्वाध्यायी बन्धुवर व स्वाध्यायीगण को साधुवाद ज्ञापित किया। कमल चोरडिया ने जीवन संकल्प सूत्र, व्रत नियम प्रत्याख्यान व मंगल पाठ किया। संघ के उपाध्यक्ष गौतमचन्द मुणोत ने प्रत्याख्यान व गुरु सुखसाता पाठ से पृच्छा की। धर्मसभा में स्वाध्यायीगण की सामायिक परिवेश में प्रमोदजन्य उपस्थिति रही। तीर्थंकरों, महापुरुषों,गुरु भगवन्तो,चरित्र आत्माओं की जयजयकार संग प्रवचन माला कार्यक्रम सुसंपन्न हुआ।

राजेश्वरी, डॉ. संध्या जवली, ज्योति तिवारी, जागृति शंकर, प्रीति राही, डॉ. शैलजा रोला ने अपनी प्रस्तुतियां दी। मुख्य अतिथि डॉ. वाणीश्री बुग्गी ने कहा कि यह आयोजन उन्हें एक आध्यात्मिक अनुभूति प्रदान कर रहा है तथा मंच प्रतिभाओं को अभिव्यक्ति देने का उत्कृष्ट माध्यम है। अध्यक्षीय उद्बोधन में मंजू श्रीवास्तव व चंदा प्रहलादका ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए मंच की साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों की सराहना की। अंत में सुषमा कुलश्रेष्ठ ने धन्यवाद दिया।

आइसक्रीम दिवस

चेन्नई। विश्व आइसक्रीम दिवस पर, प्रीमियम आइसक्रीम ब्रांड कैमरी ने यह दिन चेन्नई पुलिस के उन सभी जवानों को समर्पित किया, जो प्रतिदिन सुरक्षा प्रदान करते हैं ताकि नागरिक शांतिपूर्वक रह सकें, काम कर सकें और सो सकें। इस अवसर पर कैमरी ने चेन्नई भर के पुलिसकर्मियों को अपनी सिग्नेचर आइसक्रीम वितरित की। कैमरी ब्रांड की विशेष वैन, कैमरी टी-शर्ट पहने ब्रांड प्रमोटरों के साथ, इन स्थानों पर घूमी और पुलिसकर्मियों को व्यक्तिगत रूप से धन्यवाद दिया और उन्हें कैमरी आइसक्रीम भेंट की।

केएलए बाल निकेतन में सह पाठ्यक्रम गतिविधि का उद्घाटन एवं शपथ ग्रहण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्री कन्हैया लाल अग्रवाल बाल निकेतन विद्यालय में सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों के उद्घाटन एवं छात्र परिषद के कक्षानों के शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कन्यका परमेश्वरी आर्ट्स एण्ड सांइत कॉलेज फॉर वुमेन की प्राचार्य डॉ.एन वनजा ने दीप प्रज्वलित किया। मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों को अनुशासन, नेतृत्व, सेवा-भाव और नैतिक मूल्यों का पालन करते हुए अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर विद्यालय के विभिन्न क्लबों-स्पिरिचुअल क्लब, के.जी. क्लब, अंग्रेज़ी क्लब, हिंदी क्लब, तमिल क्लब, गणित क्लब, विज्ञान क्लब तथा सामाजिक विज्ञान क्लब-का विधिवत उद्घाटन किया गया। प्रत्येक क्लब के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता एवं विषयगत कौशल का प्रभावशाली प्रदर्शन प्रस्तुत किया, जिसकी सभी ने सराहना की। इसके पश्चात छात्र परिषद के नव-निर्वाचित कक्षानों एवं पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया।

प्रभु से वीर, धीर और गंभीर बनाने का वरदान मांगिए : आचार्य कुलबोधिसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

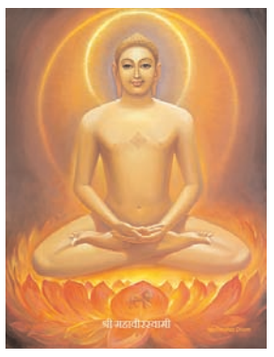

चेन्नई। वेपेरी स्थित श्री संभवनाथ जिनालय उपाश्रय में विराजित आचार्य भगवंत कुलबोधिसूरिश्वरजी म. के पावन सान्निध्य में रविवार प्रातः भगवान महावीर के 2625वें च्यवन कल्याणक महोत्सव का श्रद्धा एवं भक्ति के साथ आयोजन हुआ। इस अवसर पर भगवान का महाभिषेक, आराधना तथा अहो वीरम्-महावीरम विषय पर विशेष प्रेरणादायी प्रवचन आयोजित किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ लाभार्थी संघवी महेन्द्रकुमार मगनलाल राठौड़ परिवार द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। तत्पश्चात संघ की ओर से लाभार्थी परिवार का सम्मान किया गया। अपने ओजस्वी प्रवचन में आचार्यश्री ने कहा कि आज ही के पावन दिवस भगवान महावीर की आत्मा दसवें देवलोक से अवतरित होकर माता की पावन कुक्षी में आई थी, जिसके उपरांत माता ने चौदह दिव्य स्वप्नों के दर्शन किए। उन्होंने बताया कि भगवान महावीर ने कठोर साधना के बल पर कर्मों का क्षय किया, किंतु पूर्वबंधित कर्मों का फल तीर्थंकर को भी भोगना पड़ता है। उन्होंने कहा कि सामान्यतः सम्यक्त्व की प्राप्ति के बाद जीव तिर्यंच अथवा नरक गति को प्राप्त नहीं होता, किंतु भगवान महावीर ने अपने 27 भवों में 10 देवगति, 14 मनुष्यगति सहित तिर्यंच और नरक दोनों गतियों का भी अनुभव किया।

आचार्यश्री ने कर्म सिद्धांत को सरल शब्दों में समझाते हुए कहा, आज का दुःख, बीते हुए पापों की घोषणा है और आज का पाप, आने वाले दुःख का आरक्षण है। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर के जीवन में अनेक प्रतिकूल परिस्थितियां आईं, परंतु उन्होंने कभी कषाय नहीं किया और समता को बनाए रखा। प्रवचन के दौरान आचार्यश्री ने श्रद्धालुओं से भगवान महावीर के चरणों में तीन वरदान मांगने का आह्वान किया- प्रभु! मुझे वीर, धीर और गंभीर बनाइए। उन्होंने कहा कि भगवान का मार्ग वीरों और शूरवीरों का मार्ग है, कायरों का नहीं। देवगणों ने अनेक रूप धारण कर भगवान को विचलित करने का प्रयास किया, किंतु वे अडिग रहे। उन्होंने कहा कि जीवन में विपत्ति, संकट अथवा दुःख आए तो भयभीत होने के बजाय साहसपूर्वक उसका सामना करना चाहिए। उन्होंने प्रेरित करते हुए कहा कि दुनिया सहायता के लिए हमेशा नहीं आएगी, इसलिए अपनी वीरता को स्वयं जीवित रखना होगा। इसके लिए उन्होंने इट इज पॉसिबल मंत्र को जीवन में आत्मविश्वास का सूत्र बताया। उन्होंने कहा, जिसके पास शक्ति है वह सिकंदर है, लेकिन जिसके पास सहनशक्ति है, वही महावीर है।

प्रिंस रत्नपुरी में महावीरस्वामी के च्यवन कल्याणक की उजावणी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। प्रिंस रत्नपुरी मे प्रेम भुवनभानु समुदाय के आचार्य भगवंत श्रीमदविजय हीरचंद्र सूरीश्वरजी की निश्रा में रविवार को भगवान महावीर स्वामी एवं आगामी चोबीसी के प्रथम तीर्थंकर पद्मनाभ स्वामी के च्यवन कल्याणक की भव्य उजवणी हुई। परमात्मा के पांचों कल्याणक जगत के जीवों के लिए कल्याणकारी होते हैं। श्री पद्मनाभ स्वामी जिनालय मे प्रातः स्नात्र महोत्सव एवं शा रमनलाल छगनलाल जैन परिवार के सहयोग से भव्य शक्रस्तव महा अभिषेक सम्पन्न हुआ। श्री संघ द्वारा प्रिंस रत्नपुरी के मुख्य द्वार पर पूज्य गुरुओं का भव्य सामैया किया गया। आचार्य हीरचन्द्र सूरीश्वरजी एवं पन्यास विमल पुण्य विजयजी ने धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए ''वर्तमान में वर्धमान की आवश्यकता'' पर मर्म स्पर्शी प्रवचन किया। महात्मा ने बताया की जीवन में कोई बाग़ न लगा सको तो कोई बात नहीं है, परन्तु कभी आग मत लगाना, तथा यदि किसी के मददगार न बन सको तो चलेगा, परन्तु किसी को काम में बाधा तो कभी मत बनना। गुरुदेव ने सुखी जीवन के लिए तीन मंत्र दिए।

रथोत्सव

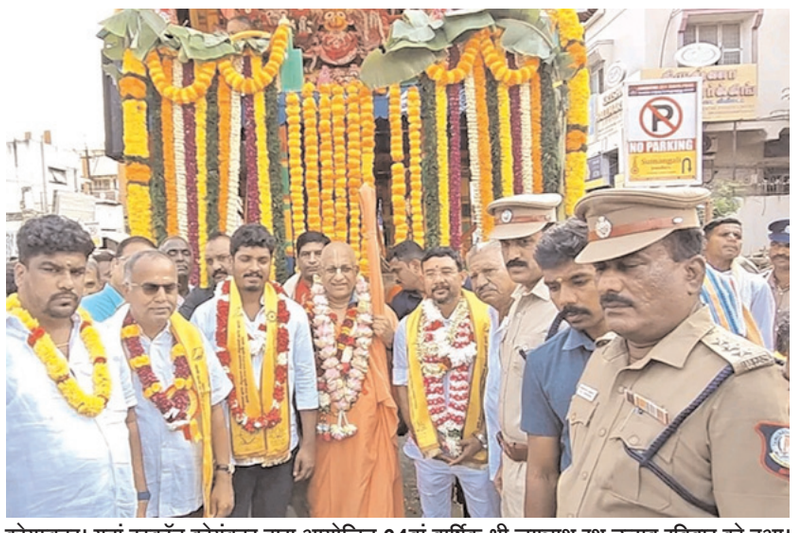

कोयम्बटूर। यहां इस्कॉन कोयंबटूर द्वारा आयोजित 34वां वार्षिक श्री जगन्नाथ रथ उत्सव रविवार को हुआ। बाज़ार इलाके के तेरमुटी से रथ यात्रा शुरु होकर शहर के विभिन्न मुख्य मार्ग से होकर वापस तेरमुटी पहुंची। यह उत्सव हर साल सैकड़ों शहरों में बहुत श्रद्धा, उत्साह और आध्यात्मिक आनंद के साथ मनाया जाता है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन नल्लाराम ट्रस्ट के अध्यक्ष एसपी अंबरासन ने तमिलनाडु के सोसल वेलफेयर मंत्री और कोयम्बटूर नार्थ के विधायक वी. संपतकुमार और मंत्री विग्नेश के साथ मिलकर किया।

कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन का तीन दिवसीय ट्रेड फेयर कल से

पदाधिकारियों नेआयोजन स्थल का किया दौरा व की समीक्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन (किया) के पदाधिकारियों व सदस्यों ने 21 जुलाई से शहर के पैलेस ग्राउंड पर आयोजित होने वाले भारत के सबसे बड़े इनरवियर ट्रेड फेयर की तैयारियों का आयोजन स्थल पर जाकर निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

समिति के पदाधिकारियों ने प्रदर्शनी स्थल पर स्टॉल व्यवस्था, आगंतुकों की सुविधाएं, सुरक्षा, पार्किंग, प्रवेश-निकास, साफ-सफाई एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित टीमों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इस अवसर पर एसोसिएशन के अध्यक्ष महावीरचंद मेहता, उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी, उपाध्यक्ष गौरव शर्मा, संयुक्त सचिव सूरज शर्मा, संयुक्त कोषाध्यक्ष विनोद चौहान, पूर्व अध्यक्ष दिलीप जैन, मनीष जैन, माधुराम खांडव, मिश्रीमल प्रजापति, शैंकी जैन, घेवर चंद बोराना सहित एसोसिएशन के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सुभाष फिर बने अग्रवाल समाज के अध्यक्ष व सतीश बने सचिव

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर

के जयनगर स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में रविवार को अग्रवाल समाज कर्नाटक की वार्षिक साधारण सभा सम्पन्न हुई। सभा में उपस्थित सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से वर्तमान कार्यकारिणी समिति पर अपना विश्वास जताते हुए उसे आगामी दो वर्ष 2026-28 के लिए एक बार फिर पदभार सौंपा। सुभाष बंसल एक बार फिर अग्रवाल समाज कर्नाटक के अध्यक्ष व सतीश गोयल सचिव बने। पुन: निर्वाचित अध्यक्ष सुभाष बंसल ने सभी को धन्यवाद देते हुए उनमें एक बार फिर विश्वास जताने के लिए उपस्थित जनों व सदस्यों को धन्यवाद दिया।

राजराजेश्वरीनगर में हुआ मुनिश्री आकाश कुमार का चातुर्मास प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरांपथ मुनिश्री आकाश कुमार जी व हितेन्द्र कुमार जी का रविवार को राजराजेश्वरी नगर के तेरापंथ भवन में अनुशासन रैली के साथ चातुर्मास प्रवेश हुआ। इस मौके पर मुनिश्री विनीत कुमार जी की भी विशेष उपस्थिति थी। इस मौके पर मुनिश्री ने कहा कि गुरुदेव के निर्देशानुसार आज हमनें राजराजेश्वरी नगर के भवन में चातुर्मास के लिए प्रवेश किया है। चातुर्मास में यहां जप-तप की खूब वर्षा होगी जो आत्मा को उर्वर बनाएगी एवं धर्म का बगीचा लहलहाएगा।

उन्होंने आचार्य भिक्षु के 300 वें वर्ष के समापन पर सामूहिक अठाई तप से संपन्न करने का आह्वान किया। मुनिश्री हितेन्द्र कुमार जी ने चातुर्मास में सम्यक् ज्ञान, दर्शन एवं चरित्र एवं तप की रूपरेखा बताई। तेरापंथी सभा के अध्यक्ष कमलसिंह दुगड़ ने सभी का स्वागत करते हुए संतों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। महिला मंडल, सभा तथा युवक परिषद ने स्वागत गीत गाकर संतों का स्वागत किया।

ज्ञानशाला,किशोर मंडल एवं कन्या मंडल ने अपनी प्रस्तुति दी। उपाध्यक्ष राजेश छाजेड़ ने अनुशासन रैली का संचालन किया। कार्यक्रम का संचालन कोषाध्यक्ष देवेन्द्र नाहटा ने किया एवं मंत्री अमित नौलखा ने धन्यवाद दिया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.